संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 97
पृष्ठ 8
बुधवार
24 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नींद नहीं आती? दूध में मिलाकर....

विचार- आरक्षण देने में भूल हुई या ...

खेल- पैट कमिंस के बिना ही जारी रहेगा...

किसान दिवस पर बोले योगी: भाजपा चौधरी चरण सिंह के आदर्शों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान सम्मान दिवस पर किसानों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि सर्दी, गर्मी की परवाह किए बिना जब वह पसीना बहाता है और सर्दी को अपनी अस्थियों में समाहित कर ऊर्जा का प्रवाह धरती मां के साथ करता है तो खेती अन्न उत्पादन के रूप में सोना उगलती है। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस पर विधान भवन प्रांगण स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। योगी ने 'किसान सम्मान दिवस' पर किसानों को ट्रैक्टर की चाबी दी। साथ ही किसानों, वैज्ञानिकों, एफपीओ आदि को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह सीड पार्क अटारी लखनऊ के प्लॉट आवंटन प्रक्रिया का बटन दबाकर शुभारंभ किया। योगी ने कहा कि उत्तर

योगी ने किसानों को दी ट्रैक्टर की चाबी, हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रदेश में अपनी मेहनत से किसानों ने प्रगति की है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तब पहली बार किसान भी सरकार के एजेंडे का हिस्सा बना। धरती हमारी मां और हम सभी इसके पुत्र हैं, इसलिए पुत्र का दायित्व है कि जब मां बीमार या संकट में हो तो पुत्र उसे संकट से उबारने में योगदान देता है। पहली बार स्वायल हेल्थ कार्ड के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में धरती मां की सेहत के बारे में हर किसी को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अन्नदाता किसानों को प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना से जोड़ा, फिर एक–एक करके प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से लेकर पीएम किसान सम्मान निधि, एमएसपी की गारंटी हो या बीज से लेकर बाजार तक किसानों की सुविधाओं को बढ़ाया गया। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के मसीहा, पूर्व प्रधानमंत्री व प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह को 'भारत रत्न' देकर किसानों का मान बढ़ाया। लघु व सीमांत किसानों के लिए कृषि ऋण मोचन कार्यक्रम लागू किया। पहले किसान शासन की किसी भी योजना का अंग नहीं था, लेकिन आज किसान को शासन की हर योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। आज बिचौलिया किसानों की फसल का दाम नहीं तय करता। उन्होने कहा कि यदि किसान को बाजार में फसल का अच्छा दाम मिला तो ठीक वरना सरकार उसे खरीदेगी। यूपी के अंदर धान, गेहूं, चना, सरसो, बाजरा, मक्का आदि फसलों का उत्पादन कई गुना बढ़ा है और लागत कम हुई है। यही किसानों की समृद्धि का आधार है। किसानों को जितना गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं हुआ था, उससे लगभग 75 हजार करोड़ रुपये अधिक धनराशि 8 वर्ष में किसानों के खाते में डाली है। अभी हाल में ही गन्ना मूल्य का दाम बढ़ाया है। पेराई सत्र 2025–26 में अगेती गन्ना 400 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। योगी ने कहा कि प्रदेश में किसान समृद्धि की तरफ अग्रसर हुआ है। किसानों ने नई तकनीक और अच्छी क्वालिटी के बीज पर ध्यान दिया तो कम लागत में अच्छा उत्पादन कर उत्तर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं।

चक्रवात 'दितवाह': श्रीलंका को 45 करोड़ डॉलर का भारत देगा 'पुनर्निर्माण पैकेज': जयशंकर

कोलम्बा, एजेंसी। भारत ने चक्रवात 'दितवाह' से हुई तबाही से उबरने में श्रीलंका की मदद के लिए 45 करोड़ डॉलर के राहत एवं पुनर्निर्माण पैकेज की घोषणा की है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यह जानकारी मंगलवार को दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में कोलंबो पहुंचे डॉ जयशंकर ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमारा दिसानायके को प्रधानमंत्री का पत्र सौंपा, जिसमें इस सहायता का विवरण दिया गया है। इस पैकेज में 35 करोड़ डॉलर की रियायती ऋण सहायता (लाइन ऑफ क्रेडिट) और 10 करोड़ डॉलर की अनुदान राशि शामिल है। विदेश मंत्री ने श्रीलंका के विदेश मामलों के मंत्री विजिता हेराथ के साथ भी बैठक की, जिसमें सहायता को शीघ्रता से पहुंचाने और देश की पुनर्निर्माण प्राथमिकताओं पर चर्चा भी की गयी। डॉ जयशंकर ने कहा, "श्री मोदी के विशेष दूत के रूप में और

राष्ट्रपति के लिए संदेश लेकर हम उनसे मिले। चक्रवात दितवाह से हुए नुकसान पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री का जो पत्र मैंने सौंपा है, वह भारत की फर्स्ट रिस्पॉन्डरश भूमिका को आगे बढ़ाता है और 45 करोड़ डॉलर के पुनर्निर्माण पैकेज की प्रतिबद्धता जताता है। हमारी बातचीत इस बात पर केंद्रित रही कि इस सहायता को कितनी तेजी से धरातल पर उतारा जाये।" उन्होंने आपदा के तुरंत बाद भारत की प्रतिक्रिया पर जोर देते हुए कहा, "भारत की सहायता उसकी फर्स्ट रिस्पॉन्डरश भूमिका पर आधारित है। चक्रवात के तट पर पहुंचने के उसी दिन 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू कर दिया गया था।" उन्होंने बताया कि संपर्क व्यवस्था और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता रही। डॉ जयशंकर ने श्रीलंका के मौजूदा आर्थिक संकट के दौरान भी भारत के निरंतर मदद करने पर जोर दिया और कहा कि भारतीय पर्यटन को बढ़ावा देने तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि इस कठिन दौर में श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके।

प्रदूषण से एयर प्यूरिफायर की बिक्री पांच गुना बढ़ी, वित्तमंत्री से जीएसटी घटाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। वायु प्रदूषण से लोगों का हाल बेहाल है। लोगों को सांस लेने की बीमारियों के साथ–साथ अन्य कई परेशानियों से निपटना पड़ रहा है, लेकिन इस आपदा के समय में भी एक वर्ग को इससे खूब फायदा हो रहा है। प्रदूषण की स्थिति गंभीर होने के कारण बाजार में एयर प्यूरीफायर की बिक्री पांच गुना तक बढ़ गई है। लोग साफ हवा पाने के लिए अपने घर–कार्यालय में एयर प्यूरीफायर लगवा रहे हैं। इससे इसकी बिक्री में तगड़ी बढ़ोतरी देखी जा रही है। बाजार में विभिन्न कंपनियों के एयर प्यूरीफायर अपनी क्षमता के अनुसार लगभग आठ हजार रुपए से 25–30 हजार रुपए में मिल रहे हैं। इस पर लोगों को 18 प्रतिशत की जीएसटी भी देनी पड़ रही है। व्यापारियों की मांग है कि इस गंभीर प्रदूषण के बीच एयर प्यूरीफायर की उपयोगिता को देखते हुए इसे आवश्यक वस्तुओं की श्रेणी में रखा जाना चाहिए और इस पर जीएसटी की दर 18: से घटकर पांच प्रतिशत कर देनी चाहिए। इससे समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को भी अपेक्षाकृत कम कीमत पर साफ हवा उपलब्ध हो सकेगी। व्यापारियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर एयर प्यूरीफायर और भ्च्। फिल्टर पर ळैज् की दरें 18: से घटाकर 5: करने की मांग की है। व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चौंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि अक्तूबर के बाद जैसे ही दिल्ली में प्रदूषण बढ़ा है एयर प्यूरीफायर की डिमांड 5 गुणा बढ़ गई है। पहले एक दुकान पर प्रतिदिन औसतन चार से पांच एयर प्यूरीफायर बिकते थे, लेकिन अब प्रतिदिन लगभग 20 एयर प्यूरीफायर तक बिक रहे हैं। कुछ कंपनियों के पास स्टॉक भी खत्म हो गए हैं।

गैर–निर्धारित जगह पर फीडिंग रोकना अपराध नहीं, आवारा कुत्तों के मामले में कोर्ट की टिप्पणी

मुंबई। आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर सोसायटियों में अक्सर होने वाले विवादों पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने अहम और स्पष्ट फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि गैर–निर्धारित जगहों पर आवारा कुत्तों को खाना देने से किसी को रोकना कानूनन अपराध नहीं है और इसे न तो गलत तरीके से रोकना माना जा सकता है और न ही अवैध। अदालत ने इस फैसले से आम नागरिकों और आवासीय समितियों को बड़ी राहत दी है। न्यायमूर्ति मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति संदेश पाटिल की पीठ ने पुणे के 42 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला रद्द कर दिया। उस व्यक्ति पर आरोप था कि उसने एक महिला और उसके साथियों को अपनी हाउसिंग सोसायटी के गेट पर आवारा कुत्तों को खाना देने से रोका और कथित तौर पर उन्हें बाहर जाने से भी रोका। अदालत ने कहा कि ऐसे हालात में यह कृत्य भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध नहीं बनता। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि फुटपाथ, सोसायटी के प्रवेश और निकास द्वार, स्कूल बस स्टॉप जैसे स्थानों पर आवारा कुत्तों को खाना देने से रोकना स्वैच्छिक बाधा या गलत तरीके से रोकना नहीं कहा जा सकता। अदालत ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति गैर–निर्धारित स्थान पर कुत्तों को खाना खिला रहा है और उसे रोका जाता है, तो यह कानून का उल्लंघन नहीं है। अदालत ने माना कि आरोपी का उद्देश्य किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि सोसायटी में रहने वाले बच्चों और अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। रिकॉर्ड में यह बात सामने आई कि उस सोसायटी में पहले भी कुत्तों के काटने और हमले की घटनाएं हो चुकी थीं। ऐसे में कुत्तों को उन जगहों पर खाना देने से रोकना, जहां बच्चों की आवाजाही रहती है, किसी भी तरह से अवैध नहीं कहा जा सकता। हाईकोर्ट ने इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के पुराने फैसलों और एनिमल बर्थ कंट्रोल नियमों का भी हवाला दिया।

जनता की भागीदारी से ही मजबूत होती है राष्ट्रीय सुरक्षा

इंटेलिजेंस ब्यूरो के कार्यक्रम में बोलीं मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और जिम्मेदारी की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि लोग अपने आसपास हो रही घटनाओं के केवल दर्शक नहीं बने, बल्कि सतर्क और सक्रिय भागीदार बनें। उन्होंने जन भागीदारी को लोगों के लिए केंद्रित सुरक्षा का आधार बताया। बता दें कि राष्ट्रपति ने यह बात इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के शताब्दी उपनिवेश व्याख्यान में कही, जिसका विषय था जन–केंद्रित राष्ट्रीय सुरक्षारू विकसित भारत के निर्माण में सामुदायिक भागीदारी। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार, गृह सचिव गोविंद मोहन और आईबी प्रमुख तपन कुमार डेका भी मौजूद थे। इस दौरान मुर्मू ने कहा कि सोशल मीडिया ने सूचना और संचार की दुनिया बदल दी है। इसके माध्यम से अच्छे और बुरे दोनों तरह के प्रभाव फैल

सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से कहा कि वे सोशल मीडिया पर सच पर आधारित जानकारी साझा करें और गलत सूचनाओं से बचाव करें। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार जागरूक नागरिकों की जानकारी के कारण सुरक्षा बल गंभीर संकट टालने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में पहले पुलिस और सरकारी कर्मचारियों के प्रति कुछ लोग दूरी महसूस करते थे, लेकिन विकसित देशों में लोग पुलिस को भरोसेमंद और मददगार मानते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पुलिस और आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों का काम लोगों की सेवा करने की भावना से होना चाहिए। मुर्मू ने ड्रग्स और कट्टरपंथ जैसी समस्याओं से निपटने में जनता की भागीदारी की अहमियत बताई। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुरक्षा चुनौतियां अब डिजिटल और गैर–पारंपरिक स्वरूप की हैं। डिजिटल फ्रॉड और साइबर अपराध से निपटने के लिए घर, संस्थान और समुदाय स्तर पर सतर्कता जरूरी है। उन्होंने कहा कि नागरिक साइबर अपराध की जानकारी तुरंत संबंधित एजेंसियों तक पहुँचा सकते हैं और इससे भविष्य में अपराध रोकने में मदद मिल सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि सीमाओं पर तनाव, आतंकवाद, माओवादी हिंसा और साम्प्रदायिक कट्टरता जैसी परंपरागत सुरक्षा चुनौतियां अभी भी हैं।

कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार (23 दिसंबर) को उन्नाव बलात्कार मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित कर उन्हें जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने सेंगर को 15 लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के तीन जमानती पेश करने पर रिहा करने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने सेंगर को पीड़िता के घर के 5 किलोमीटर के दायरे में न आने और न ही उसे या उसकी मां को धमकी देने का निर्देश दिया, और जमानत अवधि के दौरान दिल्ली में ही रहने को कहा। अदालत ने चेतावनी दी कि शर्तों का उल्लंघन करने पर जमानत रद्द कर दी जाएगी। अदालत ने कहा, ष्किसी भी शर्त का उल्लंघन करने पर जमानत रद्द कर दी जाएगी।ष सेंगर की सजा को दिसंबर 2019 में बलात्कार मामले में दोषी ठहराए गए निचली अदालत

के फैसले को चुनौती देने वाली उनकी अपील के निपटारे तक निलंबित रखा गया है। अदालत ने कहा कि निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर उच्च न्यायालय का फैसला आने तक जमानत प्रभावी रहेगी। यह मामला 2017 में एक नाबालिग लड़की के अपहरण और बलात्कार से संबंधित है।

मोदी ने किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्री मोदी ने मंगलवार को कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अपना जीवन समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के साथ–साथ कृषि की प्रगति और किसानों की समृद्धि के लिए समर्पित कर दिया। कृतज्ञ राष्ट्र देश के निर्माण में उनके योगदान को कभी नहीं भूल सकता। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को उनकी जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के साथ–साथ कृषि की प्रगति और किसानों की समृद्धि के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को कृतज्ञ राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता। चौधरी चरण सिंह देश के पांचवें तथा दूसरे गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। वह इस पद पर 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक रहे। उन्हें फरवरी 2024 में भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गई थी।

माओवादियों के गढ़ मलकानगिरी में 22 नक्सलियों का आत्मसमर्पण, शांति की ओर बढ़ा ओडिशा

ओडिशा, एजेंसी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाईबी खुराना की उपस्थिति में एक औपचारिक समारोह के दौरान आत्मसमर्पण हुआ। आत्मसमर्पण करने वाले जवानों ने एके–47 राइफलों और सेल्फ–लोडिंग राइफलों (एसएलआर) सहित हथियारों का जखीरा जमा कराया और ओडिशा पुलिस नक्सल आत्मसमर्पण के बैनर तले उन्हें पारंपरिक शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया। ओडिशा के डीजीपी योगेश बहादुर खुराना ने कहा कि आज 22 नक्सलियों ने अपने हथियारों के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण किए गए हथियारों में

एके सीरीज राइफलें और इंसास राइफलें शामिल हैं। मुझे उम्मीद है कि अन्य नक्सली भी आत्मसमर्पण करेंगे और मुख्यधारा में शामिल होंगे। मैं सभी नक्सलियों से हिंसा छोड़ने की अपील करता हूं, क्योंकि सरकार ने उनके पुनर्वास के लिए सभी व्यवस्थाएं कर दी हैं। यह 2025 में ओडिशा में हुआ पहला बड़ा सामूहिक आत्मसमर्पण है और यह देश भर में नक्सल–विरोधी अभियानों में तेज़ी के बीच हुआ है। स्वाभिमान अंचल के पूर्व सीमावर्ती क्षेत्र का हिस्सा मलकानगिरी, ओडिशा–छत्तीसगढ़ सीमा पर लंबे समय से माओवादियों का गढ़ रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले कैडर अब राज्य के पुनर्वास कार्यक्रम में शामिल होंगे, जो वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण और मुख्यधारा समाज में एकीकरण प्रदान करता है। राष्ट्रीय स्तर पर, 2025 में माओवादी गतिविधियों में भारी गिरावट आई है, जिसमें पूरे भारत में 1,225 आत्मसमर्पण, 270 निष्क्रियताएँ और 680 गिरफ्तारियाँ दर्ज की गई हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ इन घटनाक्रमों को माओवादी विचारधारा के क्षरण और सरकारी पहलों में बढ़ते विश्वास के प्रमाण के रूप में देखते हैं।

आज UPESSC की बैठक में हो सकते हैं अहम निर्णय

प्रयागराज (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के नए अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को पहली बैठक होने जा रही है। बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जाने की उम्मीद है। इस बैठक में यूपी–टीईटी परीक्षा, असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर साक्षात्कार, टीजीटी और पीजीटी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा पर विस्तार से चर्चा होगी। इसके अलावा रिक्त पदों की सूचना के लिए पोर्टल पर भी बातचीत होगी। सबसे पहले 29 और 30 जनवरी 2026 को प्रस्तावित यूपी टीईटी के आयोजन पर फैसले की उम्मीद है। परीक्षा को लेकर तैयारी ना होने के चलते टीईटी परीक्षा टाली जा सकती है। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 910 पदों पर लिखित परीक्षा के आधार पर इंटरव्यू और टीजीटी के 3539 और पीजीटी के 624 को मिलाकर कुल 4163 पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा पर भी फैसले की उम्मीद है। बता दें कि 19 दिसंबर को ही यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ प्रशांत कुमार ने कार्यभार ग्रहण किया था। चयन आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष का कार्यकाल तीन वर्ष और सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष शेष है।

अयोध्या, वाराणसी और चित्रकूट के लिए विशेष रिंग रेल

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने अयोध्या, वाराणसी और चित्रकूट के लिए विशेष रिंग रेल सेवा शुरू करने का ऐलान किया है। यह सेवा 2 जनवरी से 17 फरवरी तक चलेगी, जिससे भक्तों को प्रमुख धार्मिक स्थलों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी। प्रयागराज जंक्शन से चलने वाली पहली रिंग रेल (04111) सुबह 6 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन झुंसी और हंडिया होते हुए सुबह 8:10–8:20 बजे वाराणसी पहुंचेगी, फिर भदोही, जंघई, जौनपुर के रास्ते दोपहर 2:00–2:15 बजे अयोध्या पहुंचकर शाम 6:50 बजे वापस प्रयागराज लौटेगी। दूसरी रिंग रेल (04113) शाम 5:30 बजे प्रयागराज से चलेगी, जो रात 7:40–7:50 बजे वाराणसी, रात 2:00–2:15 बजे अयोध्या होते हुए अगले दिन सुबह 7:45 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। वहीं, 04114 शाम 5:45 बजे रवाना होकर रात 10:05–10:20 बजे अयोध्या, सुबह 4:15–4:25 बजे वाराणसी होते हुए सुबह 8 बजे वापस जंक्शन पर होगी। इसी तरह 04120 दोपहर 1:30 बजे चलकर शाम 5:50–6:05 बजे अयोध्या, रात 12:00–12:10 बजे वाराणसी और सुबह 4 बजे प्रयागराज लौटेगी।

प्रयागराज में छात्र नेता 6 माह के लिए जिला बदर

गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत पुलिस का एक्शन, 13 मौके मिले पर नहीं रखा पक्ष

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस ने अपराध नियंत्रण को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। न्यायालय अपर पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत एक अभियुक्त को कमिश्नरेट प्रयागराज की सीमाओं से छह माह के लिए जिला बदर करने का आदेश पारित किया गया है।

पुलिस अफसरों के अनुसार, जिला बदर किया गया अभियुक्त जितेन्द्र उर्फ धनराज पुत्र रामपूजन है, जो मूल रूप से गौसलपुर थाना करीमुद्दीनपुर, जनपद गाजीपुर का निवासी है। वर्तमान में वह ताराचन्द्र हॉस्टल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में रह रहा है। उस पर हथियारों के साथ बलवा, मारपीट, गालीगलौज, जान से मारने की धमकी, हत्या का प्रयास, तोड़फोड़, धारा 144 का उल्लंघन, लोक सेवक के कार्य में बाधा, लोक शांति भंग करने, लूट व छिनैती के आरोप में केस दर्ज हैं।

उसे को न्यायालय में अपना पक्ष रखने के लिए कुल 13 अवसर प्रदान किए गए थे। इसके बावजूद नोटिस तामील होने के बाद भी वह न तो स्वयं न्यायालय में उपस्थित हुआ और न ही किसी अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष रखा।

अभियोजन पक्ष को सुनने और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के अवलोकन के बाद न्यायालय अपर पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट प्रयागराज ने अभियुक्त के विरुद्ध एकपक्षीय जिला बदर की कार्रवाई का आदेश पारित किया। आदेश के

तहत, अभियुक्त को छह माह की अवधि के लिए कमिश्नरेट प्रयागराज की सीमाओं से बाहर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार 2025 में अब तक कुल 25 अभियुक्तों को गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत जिला बदर किया जा चुका है। कमिश्नरेट पुलिस का कहना है कि अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आगे भी ऐसी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। उधर इस मामले में आरोपी छात्र नेता का पक्ष जानने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

क्रिप्टो ट्रेडिंग के नाम पर लाखों की ठगी

USDT में निवेश का दिया झांसा, 32 लाख तक का दिखाया प्रॉफिट

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में ऑनलाइन क्रिप्टो ट्रेडिंग के नाम पर एक व्यक्ति से लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने साइबर पुलिस थाना में एक वेबसाइट, उसके ट्रेडिंग मैनेजर और उनसे जुड़े अन्य लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है।

पीड़ित सुमत कुमार के अनुसार 21 नवंबर को उसने www-soonychain-vip/ www-soonycoin-com नाम की वेबसाइट पर ट्रायल के तौर पर 299.94 USDT (करीब 30 हजार रुपए) का निवेश किया। इस निवेश पर 159.5 USDT का लाभ दिखाया गया।

इसके बाद वेबसाइट से जुड़े प्रदीप कुमार नामक व्यक्ति ने संपर्क कर तीन दिन का कॉन्ट्रैक्ट साइन करने की बात कही, जिसमें 500 USDT के निवेश पर तीन ट्रेड कराने और प्रत्येक ट्रेड के लाभ पर 30 प्रतिशत कमीशन देने की बात कही गई।

एग्रीमेंट के बाद प्रदीप कुमार ने वॉट्सऐप पर "बिग डील 356" नाम से एक ग्रुप बनाया, जिसमें पीड़ित के अलावा चार अन्य सदस्य शामिल थे।

22 नवंबर 2025 को पहला ट्रेड कराया गया, जिसमें 500 USDT निवेश करने पर 294.3 USDT का लाभ दिखाया गया। इस पर 30 प्रतिशत कमीशन के रूप में 88.2 USDT बिनांस ऐप के जरिए प्रदीप कुमार को दिया गया।

इसके बाद 23 नवंबर को दूसरे ट्रेड में 794.85 USDT निवेश कर 519.3 USDT का लाभ दिखाया गया, जिसका 30 प्रतिशत कमीशन 155.79 USDT दिया गया। 24 नवंबर को तीसरे ट्रेड में 1314.05 USDT निवेश कर 357.6 USDT का लाभ दिखाया गया और 107.2 USDT कमीशन के रूप में भुगतान किया गया।

पीड़ित का कहना है कि इसके बाद वेबसाइट से 1668.84 USDT उसके बिनांस अकाउंट में ट्रांसफर किए गए, जिनमें से कुछ राशि उसने अपने बैंक खाते में निकाल ली।

24 नवंबर को पीड़ित से 5 दिन का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन कराया गया, जिसमें 2000 USDT निवेश और लाभ पर 25 प्रतिशत कमीशन तय किया गया। 25 नवंबर को हुए ट्रेड में 2564.24 USDT का लाभ दिखाया गया, जिस पर 641 USDT कमीशन की मांग की गई।

यह राशि पीड़ित ने आईसीआईसीआई बैंक खाते से एनईएफटी के जरिए एक अन्य व्यक्ति के खाते में जमा की। इसके बाद 26 और 27 नवंबर को भी बड़े ट्रेड कराए गए, जिनमें हजारों USDT का लाभ दिखाते हुए अलग–अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी पर लाखों रुपए कमीशन के नाम पर ट्रांसफर कराए गए।

पीड़ित के अनुसार जब उसे एहसास हुआ कि आगे के ट्रेड में निवेश और कमीशन की राशि बहुत अधिक हो जाएगी, तो उसने कॉन्ट्रैक्ट कैंसिल करने की बात कही। इस पर प्रदीप कुमार ने 30 प्रतिशत कैंसलेशन चार्ज के रूप में करीब 6.28 लाख रुपए की मांग की।

पीड़ित ने दबाव में आकर 2 दिसंबर को आरटीजीएस और यूपीआई के जरिए कुल 3 लाख रुपये का भुगतान भी किया, लेकिन इसके बावजूद उससे और पैसे मांगे जा रहे हैं।

तहरीर में प्रदीप कुमार समेत चार अन्य लोगों के नाम, मोबाइल नंबर, बैंक खाते और यूपीआई आईडी का जिक्र है। साइबर थाना प्रभारी ओमनारायण गौतम का कहना है कि मामले में उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर जांच की जा रही है।

प्रयागराज में रैपिडो बाइक टैक्सी सेवा शुरू, माघ मेले में 15 करोड़ श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी, 20 हजार कैप्टन तैनात

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में आगामी माघ मेले के लिए रैपिडो (त्वपकव) ने व्यापक तैयारियां की हैं। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल और जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने मंगलवार को आरटीओ कार्यालय में फीता काटकर बाइक टैक्सी सेवा का शुभारंभ किया।

इसके साथ सभी को शपथ भी दिलाया गया। इस पहल का उद्देश्य श्रद्धालुओं को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में आरटीओ के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मेलाधिकारी व अन्य लोग मौजूद रहे।

रैपिडो के प्रतिनिधि ने बताया कि उनकी कैनोपी हर प्रमुख स्थान पर लगाई जाएगी। इससे उन श्रद्धालुओं को बाइक बुक करने में आसानी होगी जिनके पास ऐप नहीं है। ताकि यात्रियों को समय पर सेवा मिल सके।

रैपिडो माघ मेले के लिए कुल 20,000 कैप्टन तैनात करेगा। पूरे प्रयागराज को कवर किया जाएगा। लगभग 28 स्थानों पर कैनोपी होगी। यात्रियों से उचित और बाजार दरों पर ही शुल्क लिया जाएगा, ऐप पर कोई अतिरिक्त या उच्च दरें लागू नहीं होंगी।

मंडलायुक्त ने बताया कि माघ मेले की तैयारियों के तहत इस बार बाइक टैक्सी चलाने की योजना बनाई गई है, क्योंकि दोपहिया वाहन अधिक सुविधाजनक होते हैं। रैपिडो के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

राइडर बेस बढ़ाने के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया है। माघ मेले में लगभग 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। बाइक की संख्या

मांग के अनुसार बढ़ाई जाएगी। किराए की दरें अभी तय की जाएंगी। यह सेवा श्रद्धालुओं को मेले क्षेत्र में बड़ी राहत प्रदान करेगी।

डीएम ने कहा भव्य और बेहतर होगा माघ मेला

जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने कहा कि महाकुंभ की तर्ज पर मांग मेल को भी विकसित किया जा रहा है मांग मेले में आने वाली 15 करोड़ की भीड़ को प्रयागराज के पवन क्षेत्र में बेहतर सुविधा और व्यवस्था दिए जाने की तैयारी की जा रही है जिस तरह से महाकुंभ में भीड़ को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए लोगों ने बाइक से सहयोग किया था, ठीक उसी प्रकार से इस बार रैपीडो के सहारे लोग अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे।

शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाहर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

प्रयागराज (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के बाहर आज मंगलवार को असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा की अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। अपनी मांगों के समर्थन में हाथों में तख्तियां लेकर अभ्यर्थियों ने नारेबाजी की। इन अभ्यर्थियों का कहना है कि असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए जो परीक्षा हुई थी, उसमें धांधली की गई है। इस परीक्षा को रद्द कराया जाए। अभ्यर्थी आयोग के नए अध्यक्ष प्रशांत कुमार से मुलाकात कर अपनी मांग रखना चाहते थे। अध्यक्ष के हनुमत के बाद तीन अभ्यर्थियों को अपनी बात रखने के लिए अंदर बुलवाया गया। अध्यक्ष ने उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि यह परीक्षा 15 16 अप्रैल को आयोजित कराई गई थी। परीक्षा के बाद से ही इस परीक्षा पर प्रश्न चिन्ह उठने लगे थे ।अभ्यर्थी लगातार कई बार इसके लिए आयोग के बाहर धरना प्रदर्शन भी कर चुके हैं। संयुक्त प्रतियोगी छात्र हुंकार मंच के संयोजक पंकज पांडेय भी मौके पर अभ्यर्थियों के बीच पहुंचे और अपना समर्थन दिए।

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेला-2026 के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी जंक्शन एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशनों से प्रारम्भ/समाप्त होने वाली अथवा इन स्टेशनों से होकर गुजरने वाली निम्नलिखित मेला विशेष रेलगाड़ियाँ प्रत्येक स्नान पर्व की तिथि से एक दिन पूर्व से लेकर स्नान पर्व के दो दिन बाद तक प्रभावी रहेंगी, ताकि स्नान पर्वों के दौरान रेलगाड़ियों का संचालन सुचारु रूप से सुनिश्चित किया जा सके।
संबंधित रेलगाड़ियों एवं सभी स्नान पर्वों का विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या	स्टेशन से - तक	गाड़ी संख्या	स्टेशन से - तक
63237/63238	पं.दीनदयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज	11273/11274	इटारसी-प्रयागराज छिवकी
64595/64596	पं.दीनदयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज	64603/64604	कानपुर सेंट्रल-इटावा
64591/64592	सूबेदारगंज-कानपुर सेंट्रल	64629/64630	कानपुर सेंट्रल-फफूंद
11801/11802	वी. लक्ष्मीबाई झाँसी-प्रयागराज	64593/64594	कानपुर सेंट्रल-फतेहपुर

स्नान पर्व के दिन	दिनांक	दिन	दिनांक (स्नान पर्व के एक दिन पूर्व एवं स्नान पर्व के दो दिन बाद तक)
पौष पूर्णिमा	03.01.2026	शनिवार	02.01.2026 से 05.01.2026 (04 दिन)
मकर संक्रांति	14/15.01.2026	बुधवार	13.01.2026 से 20.01.2026 (08 दिन)
मौनी अमावस्या	18.01.2026	रविवार	
बसंत पंचमी	23.01.2026	शुक्रवार	22.01.2026 से 25.01.2026 (04 दिन)
माघी पूर्णिमा	01.02.2026	रविवार	31.01.2026 से 03.02.2026 (04 दिन)
महाशिवरात्रि	15.02.2026	रविवार	14.02.2026 से 17.02.2026 (04 दिन)

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।
माघ मेला 2026 रेलवे टोल फ्री नं 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2437/25 (D)

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या - 230-वि0/कवि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/603 दिनांक: 19.12.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/कवि0/उमण्रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0 : 230-कवि0-कार्य टैक्स-992-2025

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के करछियांवां, प्रेमपुर और रूमा रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म को ऊपर उठाने के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागत : रु0 61,17,343.24	बिड सुरक्षा राशि : रु0. 1,22,400.00
कार्य अवधि : 12 महीना	बोली प्रणाली : एक पैकेट
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 12.01.2026, 14.00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 12.01.2026, 15:00 बजे	

नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु बैन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2456/25(AS)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये माघ मेला-2026 के दौरान रेलगाड़ी के विस्तार का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 11801/11802 ग्वालियर-प्रयागराज एक्सप्रेस (प्रतिदिन) का फतेहपुर तक विस्तार

गाड़ी सं. 11801 ग्वालियर-फतेहपुर		स्टेशन	गाड़ी सं. 11802 फतेहपुर-ग्वालियर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	05:00	ग्वालियर जं.	21:00	--
18:30	18:40	प्रयागराज जं.	05:50	06:05
19:15	19:17	भरकारी	04:45	04:47
19:35	19:37	सिराथू	04:20	04:22
20:08	20:10	खागा	03:45	03:47
22:00	--	फतेहपुर	--	03:15

• ग्वालियर से: गाड़ी संख्या 11801, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026
• फतेहपुर से: गाड़ी संख्या 11802, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।
माघ मेला 2026 रेलवे टोल फ्री नं 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2475/25(MG)

माघ मेला 2026

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए माघ मेला-2026 के दौरान रेलगाड़ियों के विस्तार का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 11273/11274 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस (प्रतिदिन) का चुनार तक विस्तार

गाड़ी संख्या-11273 इटारसी-चुनार		स्टेशन	गाड़ी संख्या-11274 चुनार-इटारसी	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	17:15	इटारसी	11:30	----
06:50	06:52	मानिकपुर	23:05	23:07
09:55	10:15	प्रयागराज छिवकी	19:45	20:15
11:10	11:12	मेजा रोड	18:08	18:10
11:30	11:32	माण्डा रोड	17:45	17:47
11:58	12:00	विन्ध्याचल	17:13	17:15
12:13	12:15	मिर्ज़ापुर	16:55	16:57
13:30	----	चुनार	----	16:30

इटारसी से:- गाड़ी संख्या 11273, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026
चुनार से:- गाड़ी संख्या 11274, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 63237/63238 पं. दीनदयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज मेमू (प्रतिदिन) का फतेहपुर तक विस्तार

गाड़ी संख्या - 63237 पं. दीनदयाल उपाध्याय - फतेहपुर		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 63238 फतेहपुर - पं. दीनदयाल उपाध्याय	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	04:00	पं. दीनदयाल उपाध्याय	23:55	----
09:00	09:15	प्रयागराज	18:20	18:35
09:25	09:27	सूबेदारगंज	17:30	17:32
09:53	09:55	भरवारी	16:33	16:35
10:13	10:15	सिराथू	16:13	16:15
10:40	10:42	खागा	15:28	15:30
12:00	----	फतेहपुर	----	15:00

पं. दीनदयाल उपाध्याय से:- गाड़ी संख्या 63237, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026 फतेहपुर से:- गाड़ी संख्या 63238, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 64595/64596 पं. दीनदयाल उपाध्याय-सूबेदारगंज मेमू (प्रतिदिन) का फतेहपुर तक विस्तार

गाड़ी संख्या - 64595 पं. दीनदयाल उपाध्याय - फतेहपुर		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 64596 फतेहपुर - पं. दीनदयाल उपाध्याय	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	16:30	पं. दीनदयाल उपाध्याय	11:55	----
20:35	20:50	प्रयागराज	07:15	07:30
21:30	21:32	भरवारी	06:05	06:07
22:05	22:07	सिराथू	05:33	05:35
22:38	22:40	खागा	05:03	05:05
23:30	----	फतेहपुर	----	04:35

पं. दीनदयाल उपाध्याय से:- गाड़ी संख्या 64595, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026 फतेहपुर से:- गाड़ी संख्या 64596, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 64591/64592 कानपुर सेंट्रल-सुबेदारगंज मेमू (प्रतिदिन) का चुनार तक विस्तार

गाड़ी संख्या-64592 कानपुर सेंट्रल-चुनार		स्टेशन	गाड़ी संख्या-64591 चुनार-कानपुर सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	14:50	कानपुर सेंट्रल	11:30	----
20:30	20:35	सूबेदारगंज	06:05	06:10
21:05	21:15	प्रयागराज	05:45	05:55
21:30	21:32	नैनी	05:28	05:30
22:05	22:07	मेजा रोड	05:05	05:07
22:45	22:47	माण्डा रोड	04:45	04:47
23:20	23:22	विन्ध्याचल	03:40	03:42
23:40	23:42	मिर्ज़ापुर	03:28	03:30
02:00	----	चुनार	----	03:05

कानपुर सेंट्रल से:- गाड़ी संख्या 64592, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026 चुनार से:- गाड़ी संख्या 64591, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 64593/64594 कानपुर सेंट्रल-फतेहपुर मेमू (प्रतिदिन) का प्रयागराज तक विस्तार

गाड़ी संख्या - 64594 कानपुर सेंट्रल - प्रयागराज		स्टेशन	गाड़ी संख्या - 64593 प्रयागराज - कानपुर सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	18:25	कानपुर सेंट्रल	10:00	----
20:40	20:45	फतेहपुर	07:10	07:20
21:15	21:17	खागा	04:20	04:22
21:38	21:40	सिराथू	03:33	03:35
22:03	22:05	भरवारी	02:53	02:55
01:30	----	प्रयागराज	----	02:15

कानपुर सेंट्रल से:- गाड़ी संख्या 64594, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026 प्रयागराज से:- गाड़ी संख्या 64593, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 64603/64604 कानपुर सेंट्रल-इटावा मेमू (प्रतिदिन) का फतेहपुर तक विस्तार

गाड़ी संख्या-64604 इटावा-फतेहपुर		स्टेशन	गाड़ी संख्या-64603 फतेहपुर-इटावा	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	17:20	इटावा	10:00	----
20:15	20:25	कानपुर सेंट्रल	06:45	06:50
20:50	20:52	सरसौल	05:38	05:40
21:10	21:12	बिन्दकी रोड	05:15	05:17
21:28	21:30	मलवां	05:00	05:02
22:30	----	फतेहपुर	----	04:45

इटावा से:- गाड़ी संख्या 64604, दिनांक 01.01.2026 से 16.02.2026 फतेहपुर से:- गाड़ी संख्या 64603, दिनांक 02.01.2026 से 17.02.2026

गाड़ी सं. 64629/64630 कानपुर सेंट्रल-फफूंद मेमू (प्रतिदिन) का प्रयागराज तक विस्तार

गाड़ी संख्या-64630 फफूंद-प्रयागराज		स्टेशन	गाड़ी संख्या-64629 प्रयागराज-फफूंद	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	08:15	फफूंद	20:10	----
09:55	10:05	कानपुर सेंट्रल	18:00	18:10
10:10	10:12	सरसौल	17:05	17:07
11:08	11:10	बिन्दकी रोड	16:45	16:47
11:28	11:30	मलवां	16:30	16:32
11:45	11:50	फतेहपुर	16:10	16:15
13:30	----	प्रयागराज	----	13:50

फफूंद से:- गाड़ी संख्या 64630, दिनांक 02.01.2026 से 05.01.2026, 13.01.2026 से 20.01.2026, 22.01.2026 से 25.01.2026, 31.01.2026 से 03.02.2026, 14.02.2026 से 17.02.2026
प्रयागराज से:- गाड़ी संख्या 64629, दिनांक 02.01.2026 से 05.01.2026, 13.01.2026 से 20.01.2026, 22.01.2026 से 25.01.2026, 31.01.2026 से 03.02.2026, 14.02.2026 से 17.02.2026

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।
माघ मेला 2026 रेलवे टोल फ्री नं 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2458/25(A)

गजल संग्रह सर पे आसमान तो है का हुआ लोकार्पण हुआ लोकार्पण

प्रयागराज। मौका था हिंदुस्तानी अकादमी के सभागार में प्रख्यात शायरा कवियत्री प्रीता बाजपेई जी के गजल संग्रह सर पे आसमान तो है का लोकार्पण समारोह जिसमें भारी संख्या में प्रयागराज के शायर ,कवि, कवियत्री एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित हुए।

बतौर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी ने कहा कि प्रीत बाजपेई जी की गजल संग्रह सर पे आसमान तो है में प्रेम और सौहार्द के साथ–साथ समाज की सच बयानी भी मिल रही है। उन्होंने प्रीता जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इनके अंदर त्याग की भावना के साथ साथ प्रेम उल्लास और उत्साह भरा हुआ है जो इन्हें जीने की कला सिखाती है,।

बतौर रचनाकार प्रीता वाजपेई ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह गजल संग्रह मेरे लिए सिर्फ संग्रह नहीं बल्कि मेरे साहित्यिक योगदान का अंग है उन्होंने अपनी संग्रह से

मैं मुतमईन हूं खुदा मुझ पर मेहरबान तो है,
जमीन पैरों तले सर पे आसमान तो है

जब इस शेर को पढ़ा तो सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

सारस्वत अतिथि डॉ पी,के सिन्हा सेवानिवृत्ति मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रीता बाजपेई बहुमुखी प्रतिभा की धनी है इनकी उपलब्धियां हम लोगों की उपलब्धियां है।

प्रख्यात शायर श्री अनवर अब्बास जी ने अपनी तकरीर में कहा कि प्रीता जी की गजल संग्रह सर पे आसमान तो है में समाज की फिक्र के साथ–साथ बदलते चेहरों की दास्तां भी है

इन्होंने अपने मजमुए में पाठक गण के साथ–साथ गजलों में मंचों को भी जिंदा रखा है। बहुत कम ऐसे रचनाकार मिलते हैं जो मंच के साथ–साथ पाठक के बीच भी उपस्थित रहे।

लखनऊ से पधारे प्रख्यात शायर श्री राम प्रसाद बेखुद जी ने उक्त गजल संग्रह पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रीता जी की गजल समाज के लिए दवा का काम करेगी। क्योंकि समाज में हो रही घटनाओं पर चोट करती हुई उनकी शायरी नि .संदेह समाज को संदेश देने का काम कर रही है।

विचार रखते हुए प्रतापगढ़ से पधारे श्री अंजनी कुमार सिंह ने प्रीता जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रीता जी की रचनाओं में समाज के दुख दर्द के साथ–साथ सुख की अनुभूतियां भी है।

विषय वस्तु रखते हुए प्रीता बाजपेई जी के विषय में और उनके जीवन के पहलुओं को डॉक्टर सैयद हसन सिद्दीकी जी ने अपनी शायरी और कविता के माध्यम से उकेरते हुए कहा कि

प्रीता बाजपेई जी के अंदर प्रेम वात्सल्य और लालित्य के साथ साथ साहित्यिक जिजीविशा भी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवकाश प्राप्त आ,ई,एस आर एस वर्मा जी ने प्रीता वाजपेई की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा सर पे आसमान तो है गजल संग्रह साधारण नहीं यह समाज के हितों की रक्षा करने वाला और नैतिक मूल्यों को स्थापित करने वाला संग्रह है।

कार्यक्रम का संचालन रवि कुमार मिश्रा जी ने किया,

वाणी वंदना डॉक्टर आभा श्रीवास्तव मधुर एवं गणपति वंदना शुभांगिनी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रदीप चित्रांशी ने किया।

आए हुए अतिथियों का स्वागत प्रीता बाजपेई जी ने किया उन्होंने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर जया मोहन जी, वजीर खान, शैलेंद्र अवस्थी, उमेश श्रीवास्तव, शैलेंद्र मधुर, जितेंद्र मिश्र जलज, मोहिनी श्रीवास्तव, शाहिद इलाहाबादी, रुस्तम इलाहाबादी, आसिफ उस्मानी, रचना सक्सेना, उपेंद्र पांडेय, विवेक सत्यांशु, सुनील दानिश, रंजन पांडे, दिव्य दर्शन जोशी, सहित अन्य गणमान्य लोगों उपस्थित रहे।

प्रेमनगर पार्क हिम्मतगंज में भव्य हिन्दू सम्मेलन संपन्न

प्रयागराज। प्रेमनगर पार्क में हिन्दू समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना एवं सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में हिन्दू परिवार एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ओमप्रकाश संत समाज से, गायत्री शक्तिपीठ से राम आसरे एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष हरिश्चंद्र व मातृ शक्ति की ओर से बहन कमला मिश्रा ने कहा कि हिन्दू समाज की संगठित शक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक ताकत है। उन्होंने समाज को अपने संस्कारों, परंपराओं एवं सांस्कृतिक

मूल्यों की रक्षा हेतु एकजुट होने का आह्वान किया।

सम्मेलन में मातृशक्ति स्वरुपा कमला देवी ने भी प्रभावशाली संबोधन देते हुए कहा कि समाज निर्माण एवं हिन्दू सशक्तिकरण में नारी शक्ति की भूमिका सदैव अग्रणी रही है और सांस्कृतिक चेतना तथा आज के परिप्रेक्ष्य में पंच प्रबोधन की प्रासंगिकता पर जोर दिया।क्षेत्र के 99 वर्षीय प्रबुद्ध नागरिक राम गोविंद , महेन्द्र प्रताप नारायण , शकुंतला देवी को एवं ब्लू बेल स्कूल भावापुर करैली के संस्थापक एवं प्रबन्धक सन्दीप कुशवाहा को शाल भेंट कर, माल्यार्पण द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। प्रयागराज के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रसिद्ध कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने कहा कि भारतीय सभ्यता संस्कृति की उन्नति के लिए ऐसे सारगर्भित कार्यक्रम की नितांत आवश्यकता है।

भव्य आयोजन राजमणि, अजीत , दिलीप, सुनील, विजयपाल, विजय, अनिल तथा संचालन श्याम बाबू एवं शैलेश द्वारा किया गया। इस अवसर पर आरएसएस के कुछ बड़े दायित्वाधारी भी उपस्थित रहे उनमें लोकमान्य नगर के मा०संघचालक बीरेंद्र बेदी, सह संघचालक रमाशंकर एवं नगर कार्यवाह जयबाबू आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम समापन के पश्चात प्रसाद एवं भंडारे का आयोजन समस्त पुरूषोत्तम बस्ती के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया।

पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप के आवास पर वोट कैम्प में उमड़ रही भीड़

पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप व वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप एसआईआर और वोट बनवाने में कर रहे नागरिकों का मार्गदर्शन

मुजफ्फरनगर। निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप के आवास पर लगाए गए वोट कैम्प में लगातार नागरिकों की भीड़ उमड़ रही है। कैम्प में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने एवं नए मतदाता बनने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप एवं वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप स्वयं कैम्प में उपस्थित रहकर नागरिकों को मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया की जानकारी दे रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में लोगों का एसआईआर कराया जा रहा है, साथ ही नए वोट बनवाने के लिए आवेदन भी स्वीकार किए जा रहे हैं। कैम्प में आवश्यक प्रपत्रों की जांच कर तुरंत ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। हर योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना जरूरी है। यदि किसी का नाम छूट गया है या उसमें त्रुटि है, तो विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान उसे अवश्य ठीक कराएं। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि जो पहली बार मतदाता बनने के योग्य हुए हैं, वे आगे आकर अपना पंजीकरण कराएं।

वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप ने भी जागरूकता भरा संबोधन देते हुए कहा कि सशक्त लोकतंत्र की नींव जागरूक मतदाता से मजबूत होती है। मतदाता सूची का सही और अद्यतन होना पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है। यह अभियान नागरिकों को उनका संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित करने का अवसर देता है। उन्होंने सभी से अपने परिवार और पड़ोसियों को भी कैम्प की जानकारी देने की अपील की। कैम्प में महिला, युवा और वरिष्ठ नागरिकों की विशेष भागीदारी देखने को मिली। नागरिकों ने व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि एक ही स्थान पर मार्गदर्शन और आवेदन की सुविधा मिलने से उन्हें काफी राहत मिली है। इस दौरान युवा भाजपा नेता विकल्प जैन, सभासद मनोज वर्मा, नवनीत गुप्ता, प्रशांत गौतम, विजय कुमार चिंटू आदि भी नागरिकों की सहायता करने में जुटे रहे।

भयहरण नाथ धाम का बंधन योजना से शुरू होगा कायाकल्प

धाम के विकास हेतु 1 करोड़ 38 लाख की योजना नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह को योगी सरकार द्वारा जारी
सबके सहयोग व भागीदारी से ही होगा धाम का समग्र विकास : समाज शेखर
शासन द्वारा बन रही है 10 करोड़ की योजना

होगा समग्र विकास

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम तीर्थ क्षेत्र में 25 वर्षों की स्थानीय समाज की साझा कोशिश रंग लाना शुरू कर दी है। प्रदेश की योगी सरकार ने भयहरण नाथ महादेव के तीर्थ स्थल को विकसित करने हेतु बंधन योजना के तहत प्रथम चरण में 1 करोड़ 38 लाख की योजना स्वीकृत कर दी है। जिसमे बकुलाही नदी पर घाट, धर्मशाला, यात्री शेड, सीसी सड़क, धाम परिसर में प्रकाश व्यवस्था आदि कार्य शामिल है। अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव के अनुसार जिसकी टेंडर आदि की प्रक्रिया जारी है. वहीं नगर पंचायत द्वारा अन्य योजनाएं भी प्रतिक्षारत है जिसमे शिव गंगा तालाब का पुनरोद्धार भी प्रस्तावित है।

यह जानकारी देते हुए भयहरण नाथ धाम के महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया की प्रदेश शासन द्वारा धाम के समग्र विकास हेतु अन्य योजना भी प्रस्तावित है। जो जल्द सामने आयेगी. वहीं सरकार के निर्देश पर जिलाधिकारी महोदय के मार्गदर्शन में आर ई एस द्वारा समग्र विकास की योजना भी अंतिम प्रक्रिया में है। भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने कहा कि स्थानीय प्रकृति व सभी के सहयोग व भागीदारी से धाम का विकास कई दशक की लगातार कोशिश से हुआ। जिसका परिणाम है की आस पास के जन जीवन का विकास तेजी से हुआ है। धाम के विकास के लिए सरकार के सहयोग के प्रति सभी में कृतज्ञता व खुशी है। समाज शेखर ने स्पष्ट रूप से कहा है की धाम का विकास ही हम भक्तो व कार्यकर्ताओं का लक्ष्य है इससे कोई समझौता नही होगा. सभी कार्य सार्वजनिक, पारदर्शी व गुणवत्ता पूर्ण रूप

से पूर्ण कराये जायेंगे. सभी मानक व नियमों का परिपालन सुनिश्चित होगा।

इस अवसर पर खुशी जाहिर करने वालो में नगर पंचायत अध्यक्ष के अलावा सभी सभासद व प्रबन्ध समिति के पदाधिकारी, पुजारी गण तथा सदस्य व भक्त गण व दुकानदार बंधु शामिल है। मुख्य मन्दिर के पुजारी भोला नाथ सहित सभी पुजारियों व मन्दिर व मेला उपसमितियों में भी हर्ष व्याप्त है। धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, उपाध्यक्ष गण बबन सिंह, डॉ अमर बहादुर सिंह, राजीव नयन मिश्र, पी बी सिंह तथा उमा कांत पांडेय सहित समस्त पदाधिकारियो ने अपनी निस्वार्थ भूमिका निभाने व सहयोग व भागीदारी का संकल्प व्यक्त किया। सभी ने सक्रिय सहयोग हेतु स्थानीय विधायक जीतलाल पटेल के प्रति भी आभार व्यक्त किया है।

खतौली के अधिवक्ताओं ने श्रद्धापूर्वक मनाई चौधरी चरण सिंह की जयंती

खतौली। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती मंगलवार को तहसील बार एसोसिएशन खतौली के अधिवक्ताओं द्वारा उत्साहपूर्वक मनाई गई।

पूर्व महासचिव सचिन आर्य एडवोकेट के नेतृत्व में तहसील परिसर में चरण सिंह द्वार के समीप श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया, तहसील के सभी वकीलों ने इसमें भाग लेकर शकिसान मसीहाश चौधरी चरण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूरे तहसील परिसर में श्रद्धा और सम्मान का वातावरण देखा गया।

बार संघ के पूर्व अध्यक्ष सरदार जितेंद्र सिंह ने इस

अवसर पर कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अपना पूरा जीवन किसानों के उत्थान और ग्रामीण विकास के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने जोर दिया कि उनके विचार आज भी प्रेरणा देते हैं कि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति अन्नदाता किसानों में निहित है।

पूर्व महासचिव सचिन आर्य ने बताया चौधरी चरण सिंह वकील भी थे, जिन्होंने वकालत की शुरुआत गाजियाबाद से की और मुफ्त में गरीबों, किसानों के मुकदमे लड़कर उनकी समस्याओं को करीब से समझा, जिसने उनके किसान–केंद्रित राजनीतिक सोच और नीतियों की नींव रखी, जिससे वे षकिसानों के मसीहाष कहलाए उनकी वकालत की प्रैक्टिस ने उन्हें ग्रामीण मुद्दों से जोड़ा और यह अनुभव उनके राजनैतिक जीवन का आधार बना, जहाँ वे जमीन, लगान और कर्ज से जुड़े मामलों में किसानों की मदद करते थे उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और नई पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस दौरान अधिवक्ताओं ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को श्राष्ट्रीय किसान दिवसश की शुभकामनाएं दी और चौधरी चरण के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष चत्रपाल सिंह, जितेंद्र त्यागी, प्रमोद शर्मा, गंगा शरण, अमित त्यागी, शाकिर मिर्जा, राजेश कुमार, मनोज त्यागी, अभिषेक गोयल, सुमित कुमार, मोहम्मद अरशद, रोशनी सैनी, हरि निवास सोम, राम रोशन दास, अभिषेक भड़ाना, अंकित भारद्वाज, आशीष राणा, शांतनु ठाकुर, राजन राणा आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

14वां 10 दिवसीय डिब्रूगढ़ पुस्तक मेला संपन्न

डिब्रुगढ़। डिब्रुगढ़ में अग्रणी क्रीड़ा सामाजिक संस्था मिलन ज्योति संघ का 14 वां दस दिवसीय डिब्रूगढ़ पुस्तक मेला 22 दिसम्बर तक असम पुस्तक प्रकाशन परिषद के सहयोग से चौकीडींगी खेल मैदान में सोल्लास सम्पन्न हुआ । इसमें नए पुराने पुस्तक प्रेमियों लेखको कवियों रचनाकारों आदि पहुँचे और मनपसंद पुस्तक क्रय किये । पुस्तक विमोचन, साहित्य, सांस्कृतिक, संगीत, ज्ञानवर्धक चर्चाओं में गुणी ज्ञानी वक्ता के साथ श्रोताओ ने भाग लिया ।18 दिसम्बर को समाजसेवी थानेश्वर बोरा की स्मृति में असम में सँवादसेवा के क्षेत्र में डिब्रूगढ़

की भूमिका शीर्षक नामक कार्यक्रम में जानेमाने 6 वरिष्ठ पत्रकारों को संध्या बेला आयोजको ने गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र फुलाम गमछा प्रदान कर सम्मानित किया । विगत 1989 से गुवाहाटी से प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार, लेखक ललित शर्मा को भी स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र फुलाम गमछा भेंट कर सम्मानित किया । शर्मा 37 वर्ष से अविराम दैनिक हिंदी समाचार पत्र से जुड़े रहकर निरन्तर संवाद सेवा के दायित्व के अतिरिक्त समसामयिक, शोधपरक, अन्य सामाजिक सांस्कृतिक जीवन से आधारित आलेख कविता आदि लेखन कार्य मे सक्रिय जुड़े है । आंचलिक, राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर में हिंदी असमिया और राजस्थानी में गद्य पद्य मौलिक रचनाएं प्रकाशित होती रहती है । संवादसेवा व लेखन प्रतिभा हेतु समाजिक साहित्यिक राष्ट्रीय क्षेत्रीय अंतराष्ट्रीय संस्थाएं अबतक कई सम्मान प्रदान कर चुकी है । सामाजिक संस्थाओं से जुड़े रहने के साथ साथ डिब्रुगढ़ प्रेस क्लब के सलाहकार, इंडियन जर्नलिस्ट फेडरेशन (आई जे एफ) असम इकाई के उपसभापति भी है । अन्य सम्मानित संवादसेवी इकबाल अहमद, शोभित छेत्री, प्रबीर चक्रबर्ती सौरभ दुवरा, अनिल पोद्दार है।

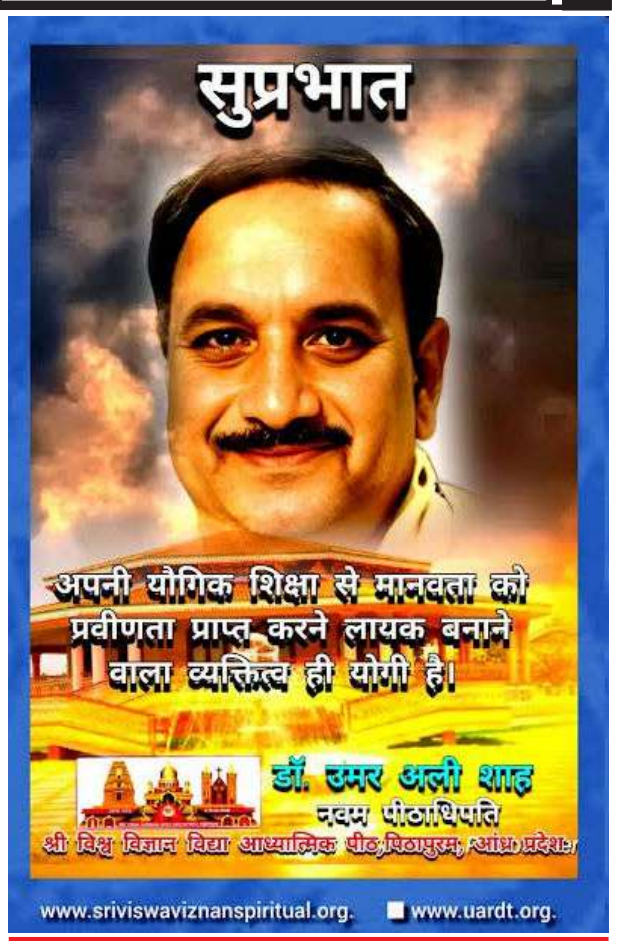

चियोनोडोक्सा फूल

(कुण्डलिया)

वासन्तिक माहौल में,खिलता है जो फूल।
है 'स्किल्ला' वंश का,करे बात माकूल।
करे बात माकूल,बगीचे में हैं रहते।
तारों जैसा पुष्प, चियोनोडोक्सा कहते।
सुन लो कहें प्रदीप, देखकर गुण नैसर्गिक।
करते सब तारीफ, खिले जब बन वासन्तिक।।

तारों के जैसा दिखें, जिसके प्यारे फूल।
'ग्लोरी– ऑफ–द–स्नो' कहें, रहे न इसमें शूल।
रहे न इसमें शूल, बल्ब से पौधा उगता।
जिसका दूजा नाम, 'चियोनोडोक्सा' कहता।
सुन लो कहें प्रदीप,देखकर यह अमरैया।
भरकर सदा सुवास,खिले तारों के जैसा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

यूपी विधानसभा सत्र: सुरेश खन्ना बोले–सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री को लेकर 7 साल कैद, एक करोड़ रुपये जुर्माने का प्रावधान

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को संसदीय कार्य व वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री के प्रकाशन को लेकर सख्त कानून की व्यवस्था है और इसमें एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने तथा सात वर्ष कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। खन्ना ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी के सदस्य डॉक्टर हृदय नारायण सिंह पटेल द्वारा सोशल मीडिया के दुरुपयोग का प्रश्न उठाए जाने पर सदन को यह जानकारी दी। पटेल ने प्रश्न किया कि क्या प्रदेश में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं अभद्र फोटो, वीडियो अपलोड की रोकथाम की कोई योजना सरकार ने बनाई है और क्या सरकार ऐसे कार्य में लिप्त लोगों को चिह्नित कर दंडात्मक

कार्यवाही के लिए कोई नीति बनाएगी? उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए दो मामलों का उदाहरण भी दिया, जिसमें एक ही तरह के मामलों में कार्रवाई में पुलिस ने भेदभाव किया। खन्ना ने मुख्यमंत्री की ओर से जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने इस बात की पूरी व्यवस्था की है कि इस विषय पर जागरूकता कैसे हो और जहां कहीं भी इस प्रकार की शिकायत मिले और शिकायत जिस स्तर की मिले, उस स्तर की कार्रवाई भी हो। मंत्री के बयान पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सरकार से कहा, ''यह महत्वपूर्ण विषय है, इससे सभी लोग प्रभावित हैं और गलत सूचनाओं का दुष्प्रभाव होता है।'' उन्होंने कहा कि कोई योजना बनाकर जब तक इस तरह के अपराधियों को सख्त सजा नहीं दी जाएगी, तब तक इसका संदेश नहीं जाएगा। इस पर संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, ''समाज में सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करना गलत है लेकिन सरकार ने इसकी रोकथाम की व्यवस्था भी की है। इसमें एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने का भी प्रावधान है। सात साल तक की सजा है।'' मंत्री ने कहा, ''जब राष्ट्रीय सुरक्षा की कोई बात आती है तो विशेष सचिव (गृह) को इस बात के लिए अधिकृत किया गया है कि वह इसका संज्ञान लेकर इस संबंध में उचित कार्रवाई करें।''

अवधी विकास संस्थान द्वारा 'एक शाम राजू श्रीवास्तव के नाम' कार्यक्रम, 26 दिसंबर को

लखनऊ, संवाददाता। अवधी भाषा, संस्कृति और लोककलाओं के संरक्षण व संवर्धन के लिए निरंतर सक्रिय अवधी विकास संस्थान की ओर से विश्वविख्यात हास्य कलाकार, पद्मश्री से सम्मानित एवं उत्तर प्रदेश राज्य फिल्म विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय राजू श्रीवास्तव की स्मृति में एक भव्य सांस्कृतिक संध्या 'एक शाम राजू श्रीवास्तव के नाम' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन उनके जन्मदिन (25 दिसंबर) के अवसर पर शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025 को सायं 6रू30 बजे से राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह (भारतखण्डे परिसर), कैसरबाग, लखनऊ में संपन्न होगा।

सम्पादकीय.....

जानलेवा आबोहवा

देश–दुनिया में दिल्ली में प्रदूषण को लेकर भारी चिंता है, लेकिन यह सिर्फ दिल्ली का ही संकट नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हरियाणा, उ.प्र. व राजस्थान के कई शहर भी प्रदूषणग्रस्त हैं। इसके अलावा लखनऊ, वाराणसी, जयपुर, पटना, मुजफ्फरपुर, कानपुर व देश के अन्य शहरों में भी प्रदूषण संकट आम लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहा है। हालांकि, इन शहरों में संकट दिल्ली जैसा नहीं है, लेकिन पूरे देश के लिए दीर्घकालीन योजना बनाने की जरूरत तो है। दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में तीसरे स्थान पर आने वाली दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक का 450 के आसपास बना रहना, निश्चय ही खतरे की घंटी है। दिल्ली सरकार द्वारा उत्सर्जन मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के शहर में प्रवेश पर रोक, दफ्तरों में वर्क फ्रॉम–होम, स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई, तोड़फोड़ व निर्माण पर रोक के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। इसी बीच, चीन के दूतावास ने दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण में मदद की पेशकश की है। चीनी दूतावास की एक प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट में स्क्रीनशॉट साझा किया है, जिसमें दिल्ली में एक्यूआई 447 व बीजिंग में 67 दिखाई दे रहा है। निस्संदेह, भारत व चीन दोनों ही तीव्र शहरीकरण की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन चीन ने योजनाबद्ध ढंग से उस परिदृश्य को दूर किया है, जिसमें चीन के तमाम शहर सर्दियों में स्मॉग से ढके रहते थे। हालांकि, साम्यवादी चीन व लोकतांत्रिक भारत में नीतियों के क्रियान्वयन में मूलभूत अंतर है। फिर भी चीन की सफलता से सीखा जा सकता है। चीन ने पिछले दो दशकों में आक्रामक ढंग से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाया। वाहन उत्सर्जन पर नियंत्रण किया। लाइसेंस प्लेट लॉटरी व ऑड–ईवन से सड़कों पर वाहनों को कम किया। उसने बड़े मेट्रो–बस नेटवर्क को बढ़ाकर सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाया। करीब तीन हजार के करीब भारी उद्योगों को बीजिंग व आसपास के शहरों से हटाया गया। एक बड़ी स्टील कंपनी को हटाने से घातक कणों में बीस फीसदी की कमी आई। सबसे अधिक जोर कोयले पर आधारित बिजली संयंत्रों व उद्योगों पर रोक लगाने में लगा। इसके अलावा, निर्माण स्थलों पर धूल–रोधी जाली लगाने, पानी के छिड़काव–सफाई, किसानों को पराली भत्ता देने व प्रदूषण के पीक समय में निर्माण पर रोक जैसे कदम उठाए। वहां पौधारोपण को बढ़ावा दिया गया। निस्संदेह, बीजिंग व दिल्ली की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन बीजिंग मॉडल पर विचार होना चाहिए। दरअसल, दिल्ली की भौगोलिक परिस्थिति बीजिंग से भिन्न है, दिल्ली लैंडलॉक्ड क्षेत्र है, आसपास समुद्री इलाका भी नहीं है। लेकिन कोयला आधारित संयंत्रों को बंद करने, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने तथा औद्योगिक संस्थानों को राजधानी की सीमा से बाहर किया जाना चाहिए। इस कार्य के लिए विशेष बजट की भी व्यवस्था हो। चिंता की बात यह भी है कि दिल्ली की तीन सौ किमी की परिधि में ग्यारह कोयला आधारित पॉवर प्लांट्स हैं, जिन्हें सर्वाधिक प्रदूषण का स्रोत माना जाता है। बहरहाल, दीर्घकालिक नीति बनाने व फैसलों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है।

सभी का सम्मान करें, लेकिन हर व्यक्ति हर चीज पर संदेह भी रखें

एन. रघुरामन

शनिवार शाम करीब 5.45 बजे मैं अनाउंसमेंट के इंतजार में जयपुर एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर कोने की सीट पर बैठा था। मेरी छठी इंद्री ने कहा कि मेरे कंधे के ऊपर से कोई मुझे मोबाइल पर टाइप करते देख रहा है। जैसे ही उस अनजान व्यक्ति को देखने मैं पीछे मुड़ने का सोचा कि मेरे मोबाइल पर एक मैसेज आयादृ'सेंड मी द ग्ग्ग्ग।' यह मेरे और पत्नी के बीच का कोड वर्ड है, हम कभी भी पासवर्ड नहीं कहते। पासवर्ड ढूंढने के लिए मैसेज आइकन दबाने की बजाय मैंने स्क्रीन के दाहिनी ओर मौजूद कैमरा बटन और साथ ही रिवर्स कैमरा आइकन भी दबा दिया। कैमरा तुरंत मेरे और कंधे के पीछे मौजूद उस चेहरे पर फोकस हो गया। इससे पहले कि मैं उस चेहरे का स्क्रीनशॉट ले पाता, उस अनजान व्यक्ति का भारी बैकपैक मेरे कंधे से टकराया क्योंकि बैकपैक वाला तेजी से मुड़ा और भीड़ में गायब हो गया।मैं खड़ा हुआ तो मेरी सीट भी चली गई। मैं पूरे एयरपोर्ट में घूमता रहा, क्योंकि पूरा फ्लोर बस स्टैंड से भी बदतर लग रहा था। हर इंच पर यात्री थे, क्योंकि जो स्पेस एक फ्लाइट के यात्रियों के लिए भी पर्याप्त नहीं थी, वहां चार अलग–अलग गंतव्यों की चार फ्लाइट्स के यात्री थे। इनमें दो डिले फ्लाइट्स के यात्री थे और दो शेड्यूल्ड फ्लाइट्स के यात्री थे। अगले दो घंटे मैं उस चेहरे को खोजता रहा, जिसकी झलक कैमरे में दिखी थी, पर ढूंढ नहीं पाया। मुझे पता है कि स्कैमर्स अकसर अच्छे कपडे पहनते हैं और सहज तरीके से बात करते हैं। मैंने अपनी पत्नी से बात की और एहतियातन कोड वर्ड भी बदल दिया। स्कैमर्स के इस दौर में आप ज्यादा कमाने के लिए क्या सीखते हैं, यह व्यक्तिगत मसला हो सकता है। लेकिन ऑनलाइन स्कैम की दुनिया में सुरक्षित कैसे रहें?, यह सभी की साझा समस्या है। एक परिवार के तौर पर बरती जाने वाली सावधानियां यहां पेश हैं। व्हाट्सएप घोस्टपेयरिंग साइबर फ्रॉड का नया तरीका है। इसमें ठग व्हाट्सएप के मल्टी–डिवाइस पेयरिंग फीचर का दुरुपयोग करता है। ठग, यूजर्स को क्यूआर कोड स्कैन करने के लिए बहकाते हैं, जो अकसर कस्टमर सपोर्ट वेरिफिकेशन, नौकरी, सर्वे के नाम पर भेजे जाते हैं। स्कैन करते ही ठग का डिवाइस पीड़ित के व्हाट्सएप से 'लिंक्ड' हो जाता है। फिर स्कैमर आपकी पहचान बनकर दूसरों से बात कर सकता है। सुरक्षित रहने के लिए अनजान क्यूआर कोड को स्कैन न करें। लिंक्ड डिवाइसेज की नियमित जांच करते रहें। स्कैमर्स घबराहट और जल्दबाजी पैदा करके फंसाते हैं। मसलन, कोई टोल नाका क्रॉस करते ही वे ट्रैफिक चालान भेज देंगे। लिंक पर क्लिक करने को कहेंगे। पर क्लिक न करें। डर या दबाव लगे तो एक पल रुकें और सोचें। अकसर पहला ट्रैप यही होता है। कभी भी सार्वजनिक जगहों पर अनजान केबल या चार्जिंग पोर्ट से फोन चार्ज न करें। नियमित रूप से डेटा का बैकअप लेकर दूसरे डिवाइस में सुरक्षित रखना भी कारगर है। ईमेल आईडी, नेट बैंकिंग पासवर्ड कभी नोट्स ऐप, स्क्रीनशॉट या व्हाट्सएप चौट में न रखें। ये साइबर अपराधियों को खुला न्योता है। सार्वजनिक वाई–फाई के इस्तेमाल से बचें। संदिग्ध फोन कॉल पर फैमिली विशेष कोड वर्ड यूज करें। सभी जरूरी अकाउंट्स पर टू–फैक्टर ऑथेंटिकेशन चालू रखना चाहिए। संभव हो तो बैंक अकाउंट से जुडे फोन नंबर को रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले नंबर अलग रखें, ताकि हैकिंग को रोक सकें। सामान्य नियम यह है कि अनजान नंबर से आए मैसेज या फाइल पर इंटरैक्ट न करें। लिंक पर क्लिक और अटैचमेंट को डाउनलोड न करें, चाहे कितना ही असली लगे।

आरक्षण देने में भूल हुई या बेईमानी

डॉ. दीपक पाचपोर

यह कोई प्रशासनिक भूल नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश थी। उद्देश्य साफ था। ओबीसी समाज के हक को छीनकर उसे ऐसे वर्ग को देना। लेकिन इस बार बेईमानी भर्ती से पहले पकड़ी गई।

देश में आरक्षण व्यवस्था सामाजिक न्याय की रीढ़ मानी जाती है, लेकिन जब उसी व्यवस्था के साथ योजनाबद्ध छेड़छाड़ होने लगे, तो यह लोकतंत्र और संविधान दोनों के लिए गंभीर खतरा बन जाती है। हाल ही में उत्तर प्रदेश में लेखपाल भर्ती के घ्जारी विज्ञापन में जो हुआ, उसने यह साबित कर दिया कि अब आरक्षण की बेईमानी ही नहीं बल्कि खुलेआम डकैती की जा रही है। इसके पीछे इडब्लूएस है?। शायद यही कारण था मुख्य न्यायाधीश जस्टिस यूयू ललित ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर असहमति जताई थी। उत्तर प्रदेश लेखपाल भर्ती के विज्ञापन में कुल 7994 पद के सापेक्ष ओबीसी वर्ग को मिलने वाली 27 प्रतिशत आरक्षित सीटों के अनुसार लगभग 2158 पद होते हैं लेकिन ओबीसी को 1441 पद ही दिए गये। इडब्लूएस को अलग से पद देने की जगह ओबीसी की सीटों से दे दिया गया। ओबीसी की चोरी की गई 717 पदों को ईडब्ल्यूएस के रूप में दिया गया। यह बेईमानी किसी को समझ में न आए इसके लिए ईडब्ल्यूएस को 792 पद दिया गया। विचार करने वाली बात यह है कि लगभग जितनी सीट ईडब्ल्यूएस की है उसी के लगभग ओबीसी की सीटों की बेईमानी हुई है। इसकी गणितीय गणना में ईडब्ल्यूएस को मिलने वाली 792 सीटों में से ओबीसी की बेईमानी की गईं 717 सीटों को घटाया जाए तो 75 सीट ही ज्यादा है। यह इसलिए भी किया गया ताकि गणितीय गुणा गणित में सीटों का अंतर पाया जाय। ताकि यह साबित हो सके कि ओबीसी पदों की बेईमानी नहीं की गई और न ही ईडब्ल्यूएस को ओबीसी कोटे को घटाकर दिए जाने की कोई मंसा थी। यह कोई प्रशासनिक भूल नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश थी। उद्देश्य साफ था। ओबीसी समाज के हक को छीनकर उसे ऐसे वर्ग को देना। लेकिन इस बार बेईमानी भर्ती से पहले पकड़ी गई। सिस्टम ने यह मान लिया था कि आंकड़ों की जटिलता में यह खेल दब जाएगा, लेकिन जागरूक युवाओं और सामाजिक संगठनों ने सच्चाई उजागर कर दी। सवाल यह है कि जब संविधान स्पष्ट रूप से सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण की बात करता है, तो फिर आर्थिक आधार पर बनाया गया ईडब्ल्यूएस कोटा ओबीसी के हिस्से को क्यों खा रहा है? पिछड़ों दलितों का भला करने का दावा करने वाले लोगों पिछड़े दलितों को ईडब्ल्यूएस के दायरे से बाहर क्यों रखा गया और जब ईडब्ल्यूएस के नाम पर अलग से जनरल वर्ग को आरक्षण दे दिया तो चोरी की जरूरत क्यों पड़ गई। आज स्थिति यह है कि ईडब्ल्यूएस के माध्यम से पूरे सामाजिक न्याय के ढांचे को कमजोर किया जा रहा है। यह आरक्षण की आत्मा पर हमला है। अगर आज ओबीसी की 700 से अधिक सीटें चुपचाप काटी जा सकती हैं, तो कल और भी अधिकार छीने जा सकते हैं। शायद यही सब कारण था की देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस यूयू ललित और जस्टिस रविंद्र भट ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर असहमति जताई थी। यूयू ललित ने जस्टिस रविंद्र भट के राय से सहमति जताई थी कि एससी–एसटी और ओबीसी को इससे बाहर करना इस वर्ग के गरीब लोगों से भेदभाव होगा। जस्टिस एस रविंद्र भट ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर अपना फैसला सुनाते हुए कहा था जहां तक सामाजिक न्याय की बात है तो इसमें एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को भी शामिल किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आरक्षण के लिमिट को पार करना बेसिक स्ट्रक्चर के खिलाफ है। न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट ने अपना अल्पमत का विचार व्यक्त करते हुए ईडब्ल्यूएस आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन पर असहमति जताई और उसे रद्द कर दिया। प्रधान न्यायाधीश ललित ने न्यायमूर्ति भट के विचार से सहमति व्यक्त की थी। यदि ईडब्ल्यूएस में यूपीएससी वर्ग को शामिल करके आरक्षण दिया गया होता तो इस तरह की बेईमानी न होती और न ही सामाजिक द्वंद पैदा होता। लेखपाल भर्ती के विज्ञापन में हुई बेईमानी का पर्दाफाश होते ही एक बार पुनः उत्तर प्रदेश की व्यापम घोटाला कहा जाने वाला 69000 भर्ती चर्चा का विषय बन गया। यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में लंबित है जिसकी सुनवाई आगामी चार फरवरी को होनी है। 2018 में इस भर्ती के लिए विज्ञापन आया था भर्ती प्रक्रिया शुरू होती है परीक्षा के कुछ सवालों पर भी आपत्ति अभ्यर्थी द्वारा की जाती है। हालांकि उतना विवाद नहीं होता जितना की परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद बनाई गई चयन सूची पर होता है। चयन सूची में विसंगति होने के संदेह पर आरक्षित वर्ग (पिछड़ा, दलित) के अभ्यर्थियों ने पुख्ता जानकारी जुटाया और सरकार से निवेदन किया की विसंगतियों को दूर कर उन्हें नौकरी दी जाए। सरकार ने ध्यान नहीं दिया। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी इस मामले को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग में ले गये। जांच पड़ताल के बाद राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने एक रिपोर्ट जारी किया और उसने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण नियमों का पालन नहीं किया गया। रिपोर्ट के आधार पर अभ्यर्थियों ने आंदोलन शुरू किया। अभ्यर्थियों का आंदोलन पूरे प्रदेशभर में चर्चा का विषय बन गया। उत्तर प्रदेश के तत्कालीन बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और इस बात को स्वीकार किया की ओबीसी और एससी वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने नौकरी देने का वादा किया और कुछ दिन बाद एक 6800 अभ्यर्थियों की लिस्ट जारी कराई। अपनी नौकरी को लेकर कुछ अभ्यर्थी पहले ही हाई कोर्ट पहुंच चुके थे, जब यह लिस्ट आई तो यह लिस्ट भी कोर्ट पहुंच गईं।

पाकिस्तान की बदहाली से उपजे खतरे

आतंकवाद, हिंसा, अस्थिरता, संवैधानिक व्यवस्थाओं का अभाव, गरीबी और पिछड़ेपन से जूझते पाकिस्तान के कई इलाकों में आज भी बहुत सारी लड़कियों की स्कूल तक पहुंच नहीं है। अर्थव्यवस्था बेहाल है और गंभीर आर्थिक संकट है। मुद्रास्फीति बढ़ रही है। लोग स्वास्थ्य सेवा सहित बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। देश की अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय एजंसियों और मित्र देशों से उधार लिए गए पैसे पर चल रही है। पाकिस्तान की तीस फीसद से अधिक आबादी स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर में गंभीर अभाव से ग्रस्त है, जबकि लगभग आधी आबादी गरीबी रेखा के नीचे गुजर–बसर कर रही है। महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी से बुरी तरह जूझते इस देश के बारे में यह भी कहा जाता है कि कभी भी यहां बड़े नेताओं, सेना के परिवारों और अफसरों के लिए मंदी नहीं आती। इसका सबसे प्रमुख कारण नेताओं और सेना की अकूत संपत्ति है, जिसे सुरक्षित रखने के लिए क्रिप्टोकरंसी को कवच बनाने की तैयारी हो गई है। पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने पूंजी के लिए असुरक्षित वातावरण बनाया है। ऐसे में जिनके पास साधन और संपर्क हैं, वे अपनी संपत्ति को देश में रखने के बजाय विदेश में सुरक्षित करना अधिक अच्छा मानते हैं। दूसरी ओर, वहां कर चोरी व्यापक समस्या रही है। जब राज्य स्वयं कर संग्रह में असफल रहता है और कानून का समान रूप से पालन नहीं होता, तब संपन्न वर्ग के लिए अपनी आय छिपाना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। यह छिपी हुई आय धीरे–धीरे विदेश में निवेश के रूप में बदल जाती है। परिणामस्वरूप, देश के भीतर विकास के लिए आवश्यक पूंजी बाहर चली जाती है। दूसरी ओर सरकार कर्ज और अंतरराष्ट्रीय सहायता पर निर्भर होती जाती है।

पाकिस्तानियों के पास दुबई में बड़ी संपत्तियां

पाकिस्तानी नागरिकों के पास दुबई में बड़ी संख्या में संपत्तियां हैं, जिनका कुल मूल्य साढ़े बारह अरब अमेरिकी डालर है। दुनियाभर के कारोबारियों और नेताओं की गुप्त सौदेबाजी का खुलासा 2016 में हुआ था और इसके केंद्र में पाकिस्तान के कई नेता, उद्योगपति और सेना के अधिकारी थे। बाद में यह भी सामने आया कि पाकिस्तान की कुछ बड़ी हस्तियां गुपचुप तरीके से दौलत बाहर ले गईं। इस मामले में इमरान खान के कुछ सहयोगियों के नाम भी शामिल थे। काले धन को वैध बनाने, प्रतिबंधों से बचने और कर चोरी में मदद की वैश्विक कड़ियां जुड़ीं, तो पाकिस्तान की राजनीति में हलचल मच गई और यह बड़ा मुद्दा भी बना। नवाज शरीफ ने 2017 में पनामा पेपर्स में नाम आने के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' ने पाकिस्तान को दुनिया के सबसे भ्रष्ट देशों में से एक बताया है, जहां सभी क्षेत्रों में यह बुराई व्याप्त है।

पाकिस्तान सेना का व्यवहार जमीन माफिया जैसा

संयुक्त राष्ट्र की एक रपट में सेना से जुड़े व्यवसायों को पाकिस्तान का सबसे बड़ा समूह बताया गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जून 2023 में देश को दिवालिया होने से बचाने में मदद करने के लिए सेना प्रमुख मुनीर को सार्वजनिक रूप से धन्यवाद दिया था। पाकिस्तानी सेना में जमीन हड़पने की लालसा इतनी अधिक है कि उनके जनरल सामंती जमींदारों की तरह व्यवहार करते हैं और उन्हें जमीन माफिया कहा जाता है। यह एक ऐसा देश है जो आर्थिक संकट, कर्ज निर्भरता और मुद्रा अवमूल्यन से जूझ रहा है। क्रिप्टोकरंसी इस अविश्वास के वातावरण में राज्य–निरपेक्ष संपत्ति के रूप में सामने आती है। यह न किसी बैंक में रखी जाती है और न ही किसी एक देश के कानून के अधीन होती है। इसका नियंत्रण व्यक्ति के पास उसकी निजी डिजिटल कुंजी के माध्यम से रहता है। यही कारण है कि लोग इसे पूंजी सुरक्षा के एक साधन के रूप में देखते हैं। जब मुद्रा का तीव्र अवमूल्यन होता है या महंगाई बचत को निगलने लगती है, तब सीमित आपूर्ति वाली क्रिप्टोकरंसी लोगों को अपनी पूंजी के मूल्य को बचाए रखने का एक विकल्प प्रतीत होती है। सीमा पार पूंजी ले जाने के संदर्भ में भी क्रिप्टोकरंसी की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। पारंपरिक तरीकों में विदेशी मुद्रा नियम, सरकारी अनुमति, बैंकिंग प्रक्रिया और समय की लंबी देरी शामिल होती है। इसके विपरीत क्रिप्टो नेटवर्क के माध्यम से व्यक्ति कुछ ही मिनटों में बिना किसी मध्यस्थ के दुनिया के किसी भी हिस्से में मूल्य का हस्तांतरण कर सकता है।

आम नागरिकों को आर्थिक सशक्तीकरण क्रिप्टो का मूल उद्देश्य नहीं

पाकिस्तान में क्रिप्टोकरंसी का मूल उद्देश्य आम नागरिकों को आर्थिक सशक्तीकरण देना नहीं, बल्कि राजनीतिक आभिजात्य और सैन्य प्रतिष्ठानों के धन को अंतरराष्ट्रीय निगरानी से सुरक्षित रखना प्रतीत होता है। पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली पर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और पश्चिमी वित्तीय एजंसियों की सख्त निगरानी है। ऐसे में क्रिप्टोकरंसी सत्ता वर्ग के लिए धन छिपाने, स्थानांतरित करने और प्रतिबंधों से बचने का एक वैकल्पिक माध्यम बन सकती है। आम लोगों के लिए यह व्यवस्था लाभकारी नहीं है। पाकिस्तान की बड़ी आबादी आर्थिक रूप से असुरक्षित है, वित्तीय साक्षरता कम है और डिजिटल ढांचे की पहुंच सीमित है। क्रिप्टो में निवेश उनके लिए जोखिम भरा है। न तो वहां मजबूत नियमन है, न उपभोक्ता संरक्षण और न ही किसी प्रकार की गारंटी। ऐसे माहौल में आम लोग जल्दी अमीर बनने के लालच में अपनी जमा–पूंजी गंवा सकते हैं। पाकिस्तान की लगभग पैसठ फीसद आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका कृषि, पशुपालन, खेतों में मजदूरी और उससे जुड़े छोटे व्यवसायों पर निर्भर है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था नकद लेन–देन, परंपरागत साहूकारी, आढ़ती प्रणाली और सीमित बैंकिंग तक ही सिमटी हुई है। डिजिटल बैंकिंग, इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच अब भी असमान और सीमित है। ऐसे में क्रिप्टोकरंसी जैसी जटिल, तकनीकी और अस्थिर वित्तीय व्यवस्था ग्रामीण पाकिस्तान के लिए लगभग अप्रासंगिक है।

ग्रामीण आबादी की प्राथमिक समस्याएं बिल्कुल अलग

ग्रामीण आबादी की प्राथमिक समस्याएं बिल्कुल अलग हैं। जैसे बीज, खाद और डीजल की महंगाई, सिंचाई की कमी, जलवायु संकट, फसल का उचित मूल्य न मिलना, कर्ज का जाल और सरकारी सहायता का अभाव। क्रिप्टो इन समस्याओं का समाधान नहीं करता। जब किसी देश की अर्थव्यवस्था का आधार ग्रामीण जीवन, कृषि उत्पादन और स्थानीय बाजार हों, तब क्रिप्टोकरंसी विकास का इंजन नहीं बनतीं। पाकिस्तान के संदर्भ में यह स्पष्ट है कि क्रिप्टोकरंसी न तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी और न ही देश को आर्थिक स्थिरता देगी। यह अधिकतर एक शहरी–आभिजात्य और सत्ता–संरक्षण परियोजना बन कर ही रह जाएगी, जिसका बोझ आखिरकार ग्रामीण और गरीब जनता पर पड़ेगा। अनियंत्रित पूंजी, क्रिप्टो और सट्टा अर्थव्यवस्था में असली उत्पादन की जगह वित्तीय जुगाड़ को समाधान समझा जा रहा है। क्रिप्टो को विकास का विकल्प बताना दरअसल यह स्वीकार करना है कि राज्य के पास संरचनात्मक सुधार की क्षमता नहीं बची।

सिर्फ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास (भाग –8)

लेखिका –अतिया नूर

आज बहुत याद आ रहा है वो दिन जब सुबह स्कूल के समय पर समीर की आँखें नहीं खुलीं। मेरे बार– बार उठाने पर भी जब वो नहीं उठा तो शेखर का पारा हाई हो गया और फिर हमेशा की तरह उन्होंने उसे डंडे से पीटना शुरू कर दिया। समीर मार से बचने के लिए इधर–उधर भागता और रोता रहा। उसके मुंह से उठती हुई बदबू की असलियत मैं तो नहीं भांप सकी लेकिन शेखर जान गए थे कि समीर ने रात शराब पी रखी थी जिसकी वजह से उसकी आँखें नहीं खुल रही थीं। मैंने जब उस बदबू की असलियत समझी तो समझ ही नहीं सकी कि क्या करूं, बस रोती रही, रोती रही३

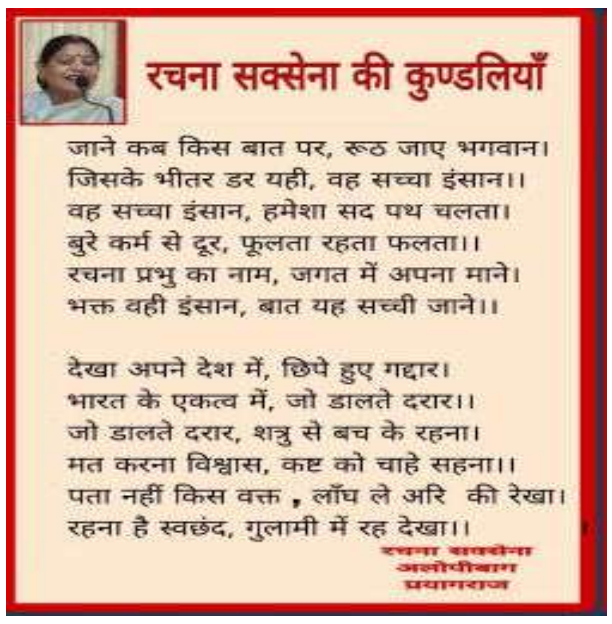

आज सोचती हूँ तो देर तक बस सोचती रह जाती हूँ कि अगर उसी समय उस बच्चे को हमने सही राह दिखाई होती तो उसको नशे की लत से जरूर निजात मिलती और शायद उसे उस दोजख में सारी उम्र जलना नहीं पड़ता। बहुत सारे काश आज भी मेरा पीछा करते हैं... काश! कि हमने ऐसा किया होता .. काश कि उसको उसी समय नशामुक्ति केंद्र में दाखिल किया होता३

सच तो ये है कि मैं उसकी आदत की भयावहता और उसके अंजाम से अनभिज्ञ थी। मेरा समीर मेरी आँखों के सामने रहते हुए भी मुझसे दूर होता जा रहा था और मैं हर दिन बेबसी से उसे पकड़ने की नाकाम कोशिश कर रही थी।

उसकी पढ़ाई चौपट हो चुकी थी। आए दिन उसकी नई जिद घर में तूफान खड़ा कर देती थी। इन दिनों उसपर बाइक लेने की जिद हावी थी। इस जिद के चलते उसने स्कूल जाना बंद कर दिया था। मुझे लगा कि शायद नई बाइक मिलने पर उसमें कुछ सुधार आ जाएगा, सो मैंने भी शेखर से उसकी जिद पूरी करने की बात की, लेकिन शेखर कोई भी बात मानने को तैयार नहीं थे। शेखर अपनी जगह सही थे, क्योंकि बच्चों की सारी जिद पूरी करना भी उनकी बर्बादी की वजह बन सकता है, उनकी सारी बात मान लेना उनके लिए घातक साबित हो सकता है लेकिन जो परिस्थितियां सामने थीं उनका हल क्या निकाला जाए, ये सवाल सबसे बड़ा था।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

एडवोकेट अमर बहादुर अरावली को मृत्युदंड

पर्यावरण संरक्षण का मोदी सरकार का वादा उसके बाकी वादों की तरह न केवल खोखला है, बल्कि डरावना भी है। इस संरक्षण के नाम पर सरकार ने एक उद्योगपति को निजी जंगल बनाकर उसमें तमाम तरह के जानवर पालने की अनुमति दे दी। पूरी दुनिया में ऐसे भ्रष्टाचार की मिसाल नहीं मिलेगी। लेकिन पर्यावरण को लेकर सरकार के खौफनाक रवैये का यह अकेला उदाहरण नहीं है। नया उदाहरण 2 अरब साल पुरानी अरावली पर्वत श्रृंखला को सुप्रीम कोर्ट के जरिए मृत्युदंड सुनाने का है। सरकार की बनाई कमेटी की तय परिभाषा के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने अरावली में खनन की जो अनुमति दी है, वह किसी मृत्युदंड से कम नहीं है।अगड़े–पिछड़े, लोकतांत्रिक–तानाशाही वाले तमाम देशों में पर्यावरण के मुद्दों पर व्यापक बहस होती है, फिर भावी पीढ़ियों को ध्यान में रखकर फैसले लिए जाते हैं। लेकिन भारत शायद इकलौता देश है जहां सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर केंद्र की सिफारिश पर अपनी मुहर लगा दी और इसमें पर्यावरणविदों की राय जरूरी नहीं समझी गई। सरकार ने किसी पर्यावरणविद को भले सलाहकार नहीं बनाया, फिर भी अरावली में खनन के खिलाफ जो आवाजें चारों तरफ से उठ रही हैं, उन पर ही सर्वोच्च न्यायाल को स्वतरू संज्ञान लेना चाहिए कि आखिर क्या गलत हो रहा है, जिस पर इतना विरोध हो रहा है।गौरतलब है कि अरावली पहाड़ियों की परिभाषा के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा पर्यावरण मंत्रालय, भारतीय वन सर्वेक्षण, भारतीय भू–वैज्ञानिक सर्वेक्षण, राज्यों के वन विभागों और सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी के सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई जिसे अरावली को परिभाषित करने को कहा गया। कमेटी ने कोर्ट के सामने अपनी अनुशंसा में कहा कि दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात इन चार राज्यों में लगभग 670 किमी तक फैली अरावली पहाड़ियों में वही पहाड़ियां अरावली श्रृंखला का हिस्सा मानी जायें जिनकी ऊंचाई 100 मीटर या उससे अधिक हो। भारतीय वन सर्वेक्षण के अनुसार, पूरी अरावली श्रृंखला में 12,081 पहाड़ियां हैं जिनमें से मात्र 1048 पहाड़ियां ही यानी केवल 8.7 प्रतिशत हिस्सा ही सरकार के 100 मीटर के मानक पर खरी उतरता है।

धर्मेंद्र, शेफाली जरीवाला के अलावा इन सितारों के जाने से भी रोया पूरा देश

> २०२५ के दौरान बॉलीवुड ने धर्मेंद्र, असरानी, मनोज कुमार और पंकज धीर जैसे कई जाने-माने नाम खो दिए, जिनकी प्रतिभा ने सिनेमा और लोकप्रिय संस्कृति पर एक स्थायी छाप छोड़ी। हर मौत अपने पीछे यादें, मील के पत्थर और एक खालीपन छोड़ गई।

2025 के दौरान बॉलीवुड ने धर्मेंद्र, असरानी, मनोज कुमार और पंकज धीर जैसे कई जाने–माने नाम खो दिए, जिनकी प्रतिभा ने सिनेमा और लोकप्रिय संस्कृति पर एक स्थायी छाप छोड़ी। हर मौत अपने पीछे यादें, मील के पत्थर और एक खालीपन छोड़ गई। जैसे ही 2025 में पर्दा गिरने वाला है, इंडस्ट्री उन लोगों को याद करने के लिए रुकती है जिन्होंने आखिरी विदाई ली।

धर्मेंद्र के जाने से रोया पूरा देश

नवंबर 2025 एक मुश्किल समय था। नवंबर की शुरुआत दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को सांस लेने में दिक्कत के बाद अस्पताल में भर्ती कराने की चिंता से हुई। हफ्तों बाद, यह चिंता देओल परिवार के लिए दुख में बदल गई। बॉलीवुड के ओरिजिनल ही–मैन, धर्मेंद्र, जिनकी स्क्रीन प्रेजेंस ने एक युग को परिभाषित किया का 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी मृत्यु ने भारतीय सिनेमा में एक उल्लेखनीय अध्याय का अंत कर दिया।

सुलक्षणा पंडित ने भी दुनिया को कहा– अलविदा

धर्मेंद्र की मृत्यु से कुछ हफ्ते पहले, एक और चौंकाने वाला नुकसान हुआ था। विनोद खन्ना, शशि कपूर और राजेश खन्ना जैसे नामों के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए जानी जाने वाली, दिग्गज अभिनेत्री और गायिका सुलक्षणा पंडित का 7 नवंबर को निधन हो गया। दोनों सितारों के जाने से नवंबर सामूहिक शोक का समय बन गया।

पंकज धीर और सतीश शाह के निधन से लगा गहरा झटका

अक्टूबर 2025 में भी आंसू थे। इंडस्ट्री ने हिंदी टेलीविजन के कर्ण पंकज धीर और सतीश शाह को अलविदा कहा, जिन्होंने कल्ट सिटकॉम साराभाई वर्सेस साराभाई में प्यारे इंद्रावर्धन साराभाई का किरदार निभाया था। 15 अक्टूबर और 25 अक्टूबर को उनकी मृत्यु ने नुकसान के एहसास को और गहरा कर दिया।

जुबीन गर्ग की मौत से हिली दुनिया

सितंबर 2025 ने दिल टूटने का दर्द और बढ़ा दिया। सिंगापुर में गायक जुबीन गर्ग की अचानक मौत इंडस्ट्री और देश भर में उनके प्रशंसकों के लिए एक झटका थी। अपनी दमदार आवाज और हिंदी, बंगाली और असमिया संगीत में अपने काम के लिए जाने जाने वाले जुबीन का 19 सितंबर को 52 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी असामयिक मृत्यु ने एक ऐसी खामोशी छोड़ दी जो संगीत की दुनिया से कहीं ज़्यादा महसूस की गई।

शेफाली जरीवाला ने रूलाया पूरा देश

जून 2025 ने सभी को चौंका दिया। 27 जून की सुबह अविश्वास के साथ शुरू हुई क्योंकि शेफाली जरीवाला की मौत की खबरें आने लगीं। बॉलीवुड की ओरिजिनल श्कांटा

लगाश गर्ल के नाम से मशहूर शेफाली ने बिग बॉस 13 और टेलीविजन शो शैतानी रस्में में अपनी मौजूदगी से अपने लिए एक अलग जगह बनाई। उनका 42 साल की उम्र में निधन हो गया।

मुकुल देव ने भी छोड़ी दुनिया

मई 2025 दर्दनाक रहा। एक्टर राहुल देव के भाई मुकुल देव का 23 मई, 2025 को 54 साल की उम्र में निधन हो गया। वह अपने पीछे एक फिल्म सन ऑफ सरदार छोड़ गए, जो उनके जाने के महीनों बाद रिलीज हुई, जिससे उनके फैंस को उन्हें आखिरी बार स्क्रीन पर देखने का मौका मिला।

देश ने खोया मनोज कुमार को

मशहूर एक्टर मनोज कुमार की मौत के बाद अप्रैल में 2025 के लिए दुखद माहौल बन गया था। दिल से जुड़ी दिक्कतों के कारण 87 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। इस स्टार का करियर चार दशकों से ज़्यादा का था और उनका नाम स्क्रीन पर देशभक्ति का पर्याय बन गया था। उनकी मौत से एक ऐसे फिल्ममेकर और एक्टर को खो दिया गया, जिनके काम ने हिंदी सिनेमा पर एक गहरी छाप छोड़ी।

लग्नाजिता चक्रवर्ती कौन हैं? मां दुर्गा गीत विवाद के बाद चर्चा में आई ये सिंगर, 1 गाने ने रातोंरात बनी थी स्टार

पश्चिम बंगाल के एक निजी स्कूल में आयोजित एक साधारण सा संगीत कार्यक्रम अब राजनीतिक और सामाजिक विवाद का रूप ले चुका है। इस पूरे मामले के केंद्र में हैं मशहूर बंगाली सिंगर लग्नाजिता चक्रवर्ती, जिनका मां दुर्गा का गीत गाना अचानक विवाद का कारण बन गया। घटना के मुताबिक, लग्नाजिता चक्रवर्ती स्कूल के एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में परफॉर्म कर रही थीं। शो की शुरुआत के करीब 45 मिनट तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन जैसे ही उन्होंने अपना सातवां गीत 'जागो मां' गाना शुरू किया, तभी स्कूल के मालिक महबूब मलिक मंच पर आ गए और उन्हें यह गीत गाने से रोक दिया। सिंगर का आरोप है कि मंच पर उनके साथ बदतमीजी, अभद्र भाषा और धक्का–मुक्की की गई। हालात इतने बिगड़ गए कि अगर वहां मौजूद लोग बीच में नहीं आते, तो मामला हाथापाई तक पहुंच सकता था। इसके बाद लग्नाजिता ने मंच से ही ऐलान किया कि वह आगे परफॉर्म नहीं करेंगी और शो बीच में ही छोड़ दिया। घटना के बाद लग्नाजिता चक्रवर्ती ने स्कूल मालिक महबूब मलिक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि मां दुर्गा का गीत गाने पर उनके खिलाफ अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं और उन्हें डराने–धमकाने की कोशिश की गई। बता दें की शनिवार शाम हुई इस घटना के बाद पुलिस ने महबूब मलिक को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। लग्नाजिता चक्रवर्ती बंगाली म्यूजिक इंडस्ट्री की जानी–मानी और लोकप्रिय सिंगर हैं। उन्हें असली पहचान बंगाली सुपरहिट गीत 'बसंतो एशे गेछे' के फीमेल वर्जन से मिली थी, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। कोलकाता के प्रतिष्ठित सेंट जेवियर्स कॉलेज से ग्रेजुएशन, साल 2015 में शेरा बंगाली अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। राज्य से बाहर परफॉर्म करने वाली सबसे कम उम्र की बंगाली सिंगर है। करियर की शुरुआत गीत 'ओदल–बोदल' से की। लग्नाजिता चक्रवर्ती ने सिंगिंग के साथ–साथ एक्टिंग में भी किस्मत आजमाई। उन्होंने बंगाली फिल्म 'जोदी बोलों हां' में अभिनय किया। हालांकि उनके अभिनय को सराहना मिली, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। साल 2014 में फिल्मी दुनिया में कदम रखने के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली और लगातार एक सिंगर के रूप में ही अपने फैंस से जुड़ी रहीं। लग्नाजिता चक्रवर्ती सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह इंस्टाग्राम के जरिए अपने म्यूजिक प्रोजेक्ट्स, लाइव शोज और निजी पलों की झलक फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

तारा सुतारिया की क्रिसमस पार्टी में छाया जादू, घर की सजावट बनी सबकी पसंद

एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने हाल ही में अपने घर पर एक शानदार प्री–क्रिसमस पार्टी होस्ट की। उनकी पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और लोग उनके घर की सजावट से प्रेरणा ले रहे हैं। अगर आप भी इस साल अपने घर को मैजिकल विंटर वंडरलैंड जैसा बनाना चाहते हैं, तो तारा के डेकोर आइडियाज आपके लिए बेहद मददगार साबित होंगे।

पार्टी का खास आकर्षण

दिसंबर के आखिरी सप्ताह में क्रिसमस पार्टी करना आम बात है, लेकिन इस बार तारा की पार्टी ने सबका ध्यान खींचा। सिर्फ फिल्मी सितारों की मौजूदगी ही नहीं, बल्कि उनके घर की सजावट ने भी सभी का दिल जीत लिया। घर को तारा ने परियों की कहानी जैसा सजाया था जहां चारों तरफ जगमगाती रोशनी, फूल और फेस्टिव डेकोर नजर आ रहा था।

डेकोर में सादगी के साथ रॉयल टच

तारा ने सजावट में सादगी के साथ रॉयल्टी का तड़का लगाया। चमकते झूमर, ढेरों मोमबत्तियां और खास तरीके से सजाई गई डाइनिंग टेबल ने पार्टी को और खूबसूरत बना दिया। तारा ने खुद बताया कि उन्होंने इस सजावट और खाने के लिए काफी मेहनत की थी।

वार्म और ड्रीमय लाइटिंग

तारा की सजावट की सबसे बड़ी खासियत थी लाइटिंग। उन्होंने घर में सिर्फ चमकदार लाइट्स का ही नहीं, बल्कि वार्म ग्लो देने वाली रोशनी का इस्तेमाल किया। आप भी अपने घर के कोनों में झूमर, फेयरी लाइट्स और मोमबत्तियां लगाकर इसी तरह का कोजी और जादुई एहसास दे सकते हैं।

लाल फूलों का क्लासिक टच

क्रिसमस सजावट में लाल और हरा रंग बहुत खास होते हैं। तारा ने अपने घर में ताजे लाल फूल जैसे गुलाब और पॉइन्सेटिया का इस्तेमाल किया। डाइनिंग टेबल या सेंटर टेबल पर ये फूल साधारण कमरे को भी रॉयल लुक दे देते हैं।

विंटेज क्रॉकरी और टेबल सेटिंग

पार्टी की खासियत में विंटेज क्रॉकरी भी शामिल थी। तारा ने देश भर से खास प्लेट्स, चम्मच और ग्लास इकट्ठा किए।

अनीत पड्डा ने सैयारा को–स्टार अहान पांडे को जन्मदिन की बधाई खास तरह से दी, जानें पोस्ट में क्या लिखा?

अहान पांडे 23 दिसंबर को एक साल और बड़े हो गए, और उनकी सैयारा को–स्टार अनीट पड्डा ने एक दिल छू लेने वाली बर्थडे पोस्ट के साथ इस मौके को सेलिब्रेट किया। अहान के साथ कई प्यारी तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हुए, अनीट ने एक इमोशनल नोट भी लिखा जो उनके बीच के रिश्ते और एक–दूसरे के लिए उनकी तारीफ़ को दिखाता है। जिन लोगों को नहीं पता, सैयारा के बाद से अहान और अनीता को अक्सर एक साथ जोड़ा जाता रहा है; हालाँकि, उन्होंने हमेशा अपने रिश्ते की अफवाहों को यह कहकर खारिज किया है कि वे सबसे अच्छे दोस्त हैं।

अनीता पड्डा की अहान पांडे के लिए इमोशनल जन्मदिन की शुभकामना

मैंने भविष्य देखा है, अनीता पड्डा ने अहान पांडे के लिए अपनी जन्मदिन की पोस्ट शुरू करते हुए लिखा। उन्होंने आगे लिखा, ष्मैंने राहगीरों को मुस्कुराते हुए देखा है जब तुम ज़ोर से हँसते हो, वे खुद को रोक नहीं पाते। मैंने आसपास की दुनिया में रंग बदलते देखे हैं, जब तुम्हारी आँखें किसी बूढ़ी औरत को, जो अपने पौधों को पानी दे रही होती है, अनजाने में निहारते हुए सोच में खो जाती हैं। मैंने तुम्हारी नोटबुक में लिखी बातें देखी हैं, जिसमें एक अनोखे दिमाग की सोच है, जो दुर्लभ और जादुई है। तुम्हारे कैमरे के लेंस का बदलाव, जो आम चीज़ों में भी सुंदरता खोजने में ज़िद करता है। मैंने तुम्हें इतना निस्वार्थ देखा है।

उन्होंने लिखा कि कैसे उनके माता–पिता अहान पर बहुत ज़्यादा भरोसा करते हैं और वीडियो कॉल पर हमेशा उनके बारे में पूछते हैं। मैंने अपनी माँ और पिताजी को तुम पर बहुत ज़्यादा भरोसा करते देखा है, जब वे हर वीडियो कॉल पर पूछते हैं अहान किवें ऐ? ठीक है ना? तो वे प्यार से चमक उठते हैं। मैंने डीन आंटी को हर बार रोते देखा है जब वह उस पोस्टर पर तुम्हारा चेहरा देखती हैं। अपने बेटे की दयालुता, उसकी आत्मा पर गर्व और अविश्वास का मिश्रण – उस इंसान पर जिसे उन्होंने पाला है। मैंने देखा है कि तुमसे बात करने के बाद किसी अजनबी का दिन बेहतर हो जाता है। मैंने सिक्योरिटी गार्ड को ठीक 2 बजे तुम्हारे साथ रोज़ाना बात करने का इंतज़ार करते देखा है। मैंने दुनिया को रुककर तुम्हें घूरते देखा है, इससे पहले कि उसे पता चले कि क्यों। इससे पहले कि वह सिनेमा स्क्रीन पर अपने सैयारा से मिले। तुम हमेशा एक स्टार थे, दादी हमेशा गर्व करती थीं। मैंने तब भविष्य देखा था और अब भी देखता हूँ। यह सब सच होने वाला है,ष उन्होंने आगे लिखा। उन्होंने आखिर में अहान का निकनेम भी बताया और कहारू ष्हैप्पी बर्थडे अहाना, मुझे हमेशा तुम पर गर्व रहेगा कि तुम जैसी इंसान हो। दुनिया को अपना तोहफ़ा देने के लिए धन्यवाद।ष बर्थडे पोस्ट में दोनों की कई अनदेखी तस्वीरें भी थीं। उनमें से एक सैयारा शूट की भी थी। अनीत के पोस्ट का जवाब देते हुए, अहान ने लिखा, इसे पढ़ने के बाद मुझे जो महसूस हुआ, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

सैयारा के बारे में

मोहित सूरी की सैयारा से अहान पांडे ने फिल्मों में डेब्यू किया था, जिसमें उनके साथ अनीता पड्डा थीं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, और लीड जोड़ी को उनकी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री और दमदार परफॉर्मेंस के लिए खूब सराहा गया।

क्या अनीत पड्डा और अहान पांडे डेट कर रहे हैं?

अहान और अनीत के डेटिंग की अफवाहें सामने आने के महीनों बाद, अहान ने अनीत को अपना ष्सबसे अच्छा दोस्तष बताया। ळफ इंडिया से बात करते हुए, अहान ने कहा, ष्केमिस्ट्री हमेशा रोमांटिक नहीं होती; यह कम्फर्ट, सुरक्षा और एक–दूसरे को समझने के बारे में है। हम दोनों ने एक–दूसरे को यह महसूस कराया है। भले ही वह मेरी गर्लफ्रेंड नहीं है, लेकिन मेरा अनीत के साथ जैसा रिश्ता है, वैसा किसी और के साथ नहीं होगा। सैयारा से पहले, हम दोनों को पाउलो कोएल्हो का यह कोट बहुत पसंद थारू श्यह एक सपने के सच होने की संभावना है जो ज़िंदगी को दिलचस्प बनाती है।श हमने यह सपना एक साथ देखा था, और यह सच हुआ। हमने जो शेयर किया है, वह बहुत खास है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, अनीत पड्डा अगली बार मैडॉक यूनिवर्स की सुपरनैचुरल ड्रामा फिल्म, शक्ति शालिनी में नज़र आएंगी। वहीं, अहान पांडे एक एक्शन फिल्म की तैयारी कर रहे हैं, जिसे कथित तौर पर अली अब्बास ज़फ़र डायरेक्ट करेंगे और जिसमें उनके साथ शरवरी भी होंगी।

महिलाओं की मसल्स कमजोर कर देती है ठंड, स्ट्रांग रहने के लिए ये फिटनेस मंत्र याद रखें

सर्दियों में महिलाओं कोमसल लॉस (मांसपेशियों की कमजोरी,घटाव) का खतरा पुरुषों की तुलना में ज्यादा होता है। फिटनेस ट्रेनर्स के मुताबिक ठंड के मौसम में कम एक्टिविटी, धूप की कमी और हार्मोनल बदलाव इसकी बड़ी वजह हैं। लेकिन कुछ आसान उपाय अपनाकर इससे बचा जा सकता है।

सर्दियों में महिलाओं में मसल लॉस क्यों बढ़ता है?

–ठंड की वजह से वर्कआउट कम हो जाना

–विटामिन व की कमी (धूप कम मिलना)

–प्रोटीन का पर्याप्त सेवन न होना

–हार्मोनल फ्लक्चुएशन

मसल लॉस से बचने के 4 असरदार टिप्स

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग को न करें नजरअंदाजः हफ्ते में कम से कम 3–4 दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। स्क्वैट्स, लंजेस, पुश–अप्स रेजिस्टेंस बैंड एक्सरसाइज जरूर करें, मसल्स मजबूत रहती हैं और फैट बर्न भी बेहतर होता है।

डाइट में प्रोटीन जरूर बढ़ाएंः हर मील में प्रोटीन शामिल करें, जैसे– दालें, पनीर, दूध, अंडे, टोफू, नट्स और सीड्स प्रोटीन मसल्स की मरम्मत और ग्रोथ के लिए जरूरी है।

विटामिन डी और धूप को दें जगहः रोज15–20 मिनट धूप में बैठें। डॉक्टर की सलाह से विटामिन डी सप्लीमेंट भी लिया जा सकता है। विटामिन डी की कमी से मसल वीकनेस बढ़ती है।

एक्टिव लाइफस्टाइल बनाए रखेंः लंबे समय तक बैठे न रहें, हल्की वॉक या योग करें, घर के कामों में एक्टिव रहें। लगातार मूवमेंट से मसल्स एक्टिव रहती हैं।

फिटनेस मंत्र

सर्दी में आराम जरूरी है, लेकिन एक्सरसाइज से ब्रेक नहीं। ठंड में प्यास कम लगती है, लेकिन डिहाइड्रेशन मसल क्रैम्प्स और थकान बढ़ा सकता है। गुनगुना पानी पिएं और हर्बल टी लें।

नींद नहीं आती? दूध में मिलाकर पिएं ये चीज, डॉक्टर ने कहा आएगी गहरी नींद

अगर आपको भी रात में नींद नहीं आती, बार–बार करवट बदलते रहते हैं या आधी रात में आंख खुल जाती है, तो यह समस्या इंसोमनिया की ओर इशारा कर सकती है। अच्छी नींद न आने से थकान, चिड़चिड़ापन, तनाव और कई स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं।

ऐसे में आयुर्वेदिक डॉक्टर ने एक आसान और असरदार घरेलू उपाय बताया है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है।

नींद लाने में मदद करेगा खसखस

आयुर्वेदिक डॉक्टर के अनुसार, अगर नींद आने में परेशानी हो रही है तो खसखस का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

कैसे करें इस्तेमाल?

1 चम्मच खसखस लें।

इसे 1 कप दूध में उबाल लें।

रात को सोने से पहले गुनगुना दूध पी लें।

क्यों फायदेमंद है खसखस?

खसखस में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है।

मैग्नीशियम दिमाग को शांत करता है।

तनाव कम करता है।

स्लीप क्वालिटी सुधारने में मदद करता है।

नियमित रूप से सीमित मात्रा में इसका सेवन करने से गहरी और सुकून भरी नींद आने लगती है।

खसखस के अन्य फायदे

खसखस सिर्फ नींद ही नहीं, बल्कि सेहत और खूबसूरती के लिए भी लाभकारी है।

त्वचा के लिए फायदे

खसखस को दूध में पीसकर चेहरे पर लगाने से

स्किन में नमी आती है

चेहरे पर नैचुरल ग्लो आता है।

बालों के लिए फायदे

खसखस को पीसकर बालों में लगाने से।

डैंड्रफ की समस्या कम होती है।

हफ्ते में 2 बार इस्तेमाल से अच्छे नतीजे मिलते हैं।

नींद नहीं आती तो क्या करें?

अगर आपको लंबे समय से नींद की समस्या है, तो ये घरेलू उपाय भी मदद कर सकते हैं।

ग्लाइसीन से भरपूर फूड्स

ग्लाइसीन से भरपूर फूड्स नींद लाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ग्लाइसीन एक ऐसा अमीनो एसिड है जो दिमाग को शांत करने और शरीर को रिलैक्स करने में मदद करता है, जिससे जल्दी नींद आने लगती है और नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। पालक, अंडा, मछली और पत्तागोभी जैसे खाद्य पदार्थ ग्लाइसीन के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। इन चीजों को रोजाना के आहार में शामिल करने से अनिद्रा की समस्या कम हो सकती है और गहरी, सुकून भरी नींद आने में मदद मिलती है।

कार्बोहाइड्रेट्स युक्त आहार

कार्बोहाइड्रेट्स युक्त आहार भी अच्छी नींद के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। ओटमील, आलू, कॉर्न और दालों जैसे खाद्य पदार्थ शरीर में ऊर्जा का संतुलन बनाए रखते हैं और दिमाग को रिलैक्स करने में मदद करते हैं। इनमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट्स सेरोटोनिन हार्मोन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं, जिससे मन शांत रहता है और रात में आसानी से नींद आने लगती है। सोने से कुछ समय पहले हल्का और संतुलित कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन नींद की गुणवत्ता को बेहतर बना सकता है।

मेलाटॉनिन वाले फूड्स

मेलाटॉनिन वाले फूड्स नींद की समस्या को दूर करने में अहम भूमिका निभाते हैं। मेलाटॉनिन को नींद का हार्मोन कहा जाता है, जो शरीर की स्लीप साइकिल को नियंत्रित करता है और सही समय पर नींद आने में मदद करता है। अंडा, चेरी और गोजी बेरीज मेलाटॉनिन के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। इन खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन करने से रात में नींद आने में होने वाली परेशानी कम होती है और नींद की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है।

दूध का सेवन

दूध का सेवन भी अच्छी और गहरी नींद के लिए एक पुराना और असरदार घरेलू उपाय माना जाता है। सोने से पहले एक कप गर्म दूध पीने से शरीर और दिमाग दोनों को आराम मिलता है। अगर दूध में थोड़ा सा घी या 2 काजू मिलाकर पिया जाए, तो इसका असर और भी बढ़ जाता है। दूध में मौजूद ट्रिप्टोफैन और कैल्शियम नींद लाने में मदद करते हैं, जिससे तनाव कम होता है और सुकून भरी नींद आती है।

कीवी

कीवी भी नींद की गुणवत्ता बेहतर करने में मददगार फल माना जाता है। रात को सोने से पहले 2 कीवी खाने से शरीर को एंटी–ऑक्सीडेंट्स और सेरोटोनिन मिलते हैं, जो दिमाग को शांत करने में सहायक होते हैं। कीवी का नियमित सेवन स्लीप साइकिल को संतुलित करता है, जिससे जल्दी नींद आने लगती है और नींद गहरी व सुकून भरी होती है।

मैग्नीशियम युक्त फूड्स

मैग्नीशियम युक्त फूड्स नींद न आने की समस्या में काफी फायदेमंद होते हैं। मैग्नीशियम एक जरूरी मिनरल है, जो मांसपेशियों को रिलैक्स करता है और दिमाग के तनाव को कम करने में मदद करता है। केला, एवोकाडो और डार्क चॉकलेट मैग्नीशियम के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। इन खाद्य पदार्थों का संतुलित मात्रा में सेवन करने से घबराहट और बेचैनी कम होती है, जिससे रात में गहरी और आरामदायक नींद आने में मदद मिलती है। अगर नींद न आने की समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो किसी डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। घरेलू उपाय सहायक हैं, लेकिन इलाज का विकल्प नहीं।

किचन सुपरहीरो हैं नींबू के छिलके, बदबू, चिकनाई और जिद्दी दागों का होगा सफाया, जानें आसान उपाय

अक्सर नींबू के छिलकों को हम बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि नींबू के छिलके किचन के लिए किसी सुपरहीरो से कम नहीं है। इनमें नेचुरल ऑयल, एंटी–बैक्टीरियल गुण और सिट्रिक एसिड गुण पाए जाते हैं, जो चमक, सफाई और बदबू हटाने में असरदार माने जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कैसे किचन की सफाई के लिए नींबू के छिलकों का इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऐसे हटाएं तवे और कड़ाही की चिपचिपाहट

तेल और मसालों की वजह से तवे पर दाग जम जाते हैं। लेकिन इन दागों को नींबू के छिलके फौरन साफ कर देते हैं। यह एक 100: नेचुरल क्लीनर है, इसमें एंटी–बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जोकि बदबू और चिकनाई को दूर करता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले तवे को हल्का गर्म करें।

अब चिमटे की सहायता से नींबू के छिलके को तवे पर रगड़ें।

फिर थोड़ा सा पानी डालकर रगड़ें। ऐसा करने से गंदगी निकल जाएगी।

इसके बाद पानी से धोकर तवे को सुखा लें।

कॉफी पॉट को चमकाएं

कॉफी पॉट में थोड़ी बर्फ, नींबू के छिलके और थोड़ा सा नमक डालें।

इसको कुछ मिनट घुमाएं और फिर बाहर निकालकर अच्छे से धोएं।

आपका कॉफी पॉट बिल्कुल नए जैसा और लेमन फ्रेश नजर आएगा।

टी केतली के लिए कारगर

सबसे पहले टी केतली में नींबू के कुछ छिलके डालकर पानी को उबालें।

अब इसको एक घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

इससे सारे मिनरल जमाव आसानी से निकाल जाएंगे।

ऐसे साफ करें किचन सिंक

नींबू के छिलकों को ड्रेन और सिंक की तरह पर रगड़ें।

नमक मिलाकर स्क्रब करें, इससे सिंक चमक उठेगा।

100% नेचुरल क्लीनर

एक जार में नींबू के छिलके को भरें और उस पर सफेद सिरका डालकर जार को भर दें।

अब 2 सप्ताह के लिए इसको ऐसे ही छान लें।

स्प्रे बोतल को आधा पानी और आधा इस मिश्रण से भरें।

इस तरह से नेचुरल और केमिकल फ्री क्लीनर तैयार है।

लहसुन–प्याज की बदबू हटाने का तरीका

किचन में खाना बनाने के दौरान हाथों में लहसुन–प्याज की बदबू रह जाती है। फिर चाहे जितना साबुन इस्तेमाल कर लें।

बच्चों की फरमाइशें होंगी पूरी, पेश है टेस्टी और चीज़ी मशरूम राइस चीज़ समोसा

बच्चे हो या बड़े सभी को समोसा पसंद होता है। लेकिन हर बार आलू वाले समोसे खाकर हम बोर हो जाते हैं। उसी पुराने फ्लेवर से अलग हटकर कुछ नया खाने का मन हो, तो हमारे दिमाग में कई बार कुछ अलग ट्राई करने की इच्छा होती है। खासकर वीकेंड पर घर का माहौल थोड़ा चिल होता है। हम सभी चाहते हैं कि शाम की टेबल पर कुछ मजेदार बना हो। ऐसे में अगर आप अपने परिवार या मेहमानों को एक ऐसी डिश बनाकर खिलाना चाहते हैं। जो दिखने में आकर्षक और स्वाद में टेस्टी हो। तो आपको डनीतववउ ल्पबम बैमममे उवें जरूर ट्राई करना चाहिए। इस समोसे में मशरूम और चीज का शानदार कॉम्बिनेशन मिलता है। इसकी पहली ही बाइट में फ्लेवर का मजा दोगुना हो जाता है। इसमें राइस शीट का भी इस्तेमाल होता है। यह राइस शीट समोसे को क्रिस्पी और अलग टेक्सचर देता है। इस रेसिपी को बनाना काफी आसान है। तो आइए जानते हैं Mushroom Rice Cheese Samosa रेसिपी के बारे में...

सामग्री

मशरूम– 1 कप (पतले स्लाइस)

बारीक कटा लहसुन– 1 छोटा चम्मच

बारीक कटा अदरक–½ छोटा चम्मच

प्याज– 1 मध्यम (कटा हुआ)

पनीर क्रम्बल– 2/3 कप

मोज़रेला– ½ कप

तुलसी के पत्ते– 1 मुट्ठी

मिक्स हर्ब्स– 1 छोटा चम्मच

राइस शीट

तेल

नमक स्वादानुसार

ऐसे बनाएं

सबसे पहले मशरूम को अच्छे से धोकर पतली–पतली स्लाइस में काट लें। फिर एक पैन में थोड़ा सा तेल डालकर इसमें अदरक और लहसुन को हल्का सा भूनें। अब प्याज डालें और इसको सुनहरा होने तक पकाएं। अब कटे हुए मशरूम डालकर पकाएं और जब यह हल्का गोल्डन दिखने लगे तो उसमें पनीर क्रम्बल, मिक्स हर्ब्स, मोजरेला और तुलसी की पत्तियां डालें। अब सारा मिश्रण अच्छे से मिक्स करें और 2–3 मिनट पकाकर गैस को बंद कर दें। फिर स्टफिंग को ठंडा होने के लिए अलग रख दें।

ऐसे तैयार करें राइस शीट

अब एक बाउल में हल्का गर्म पाने लें और राइस शीट को 2–3 सेकेंड पानी में डालें और फौरन निकाल लें। इस शीट को ज्यादा देर तक पानी में न रखें, वरना यह टूट सकती है। इस राइस शीट को बीच से काटकर दो हिस्सों में कर लें। अब कटे हुए राइस शीट के एक हिस्से पर स्टफिंग रखें। फिर इसको फोल्ड करके ट्राएंगल के आकार में समोसे की शेप बनाएं। इसके तीनों किनारों को हल्का पानी लगाकर सील कर दें। जिससे के समोसे से स्टफिंग बाहर न निकले। इस तरह से समोसे तैयार हैं।

अब पैन में थोड़ा सा तेल डालकर फ्लेम को मीडियम रखें। समोसे को दोनों ओर से गोल्डन ब्राउन होने तक सेंकें। वहीं राइस शीट जल्दी क्रिस्पी होती है और इस दौरान ध्यान रखें कि फ्लेम ज्यादा तेज न हो। इस तरह से गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी समोसा तैयार है। आप इसको हरी या लाल चटनी डालकर सर्व करें।

इन बातों का रखें ध्यान

आप चाहें तो इसमें स्वीट कॉर्न भी डाल सकते हैं।

तुलसी की जगह पुदीना भी डाल सकती हैं।

मोजरेला अधिक डालेंगी तो समोसा ज्यादा चीजी बनेगा।

राइस शीट की जगह आप स्प्रिंग रोल शीट का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

पतली ग्रेवी को मिनटों में गाढ़ा कैसे करें, जानिए आसान हैक्स

जब भी हम घर में खाना बनाते हैं तो यही उम्मीद करते हैं कि हर कोई उसकी तारीफ करता रह जाए। लेकिन अगर आपने सब्जी बनाई और जैसे ही आप ढक्कन खोलते हैं, तो देखते हैं कि ग्रेवी बहुत पतली हो गई है। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसा हम सभी के साथ कभी ना कभी हुआ ही है। कभी–कभी हम गलती से थोड़ा ज्यादा पानी डाल देते हैं या फिर कभी–कभी मसाला ठीक से नहीं पकता है। ऐसे में जरूरत होती है कि आप कुछ आसान किचन हैक्स आजमाएं और अपनी पतली ग्रेवी को इंस्टेंट गाढ़ा और टेस्टी बनाएं। बस आपको सही ट्रिक्स आजमाने की जरूरत होती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पतली ग्रेवी को बेहद ही आसान तरीके से गाढ़ा करने के तरीके के बारे में बता रहे हैं–

इसे धीरे–धीरे पकने दें

अगर ग्रेवी पतली हो गई है तो इसे धीरे–धीरे पकने दें। यह सबसे नेचुरल तरीका है। कुछ भी डालने से पहले, थोड़ा धीमा करें। अक्सर ग्रेवी पतली इसलिए दिखती है क्योंकि वह ठीक से पकी नहीं होती। इसके लिए आप पैन को खुला रखें और धीमी से मध्यम आंच पर पकाएं। बीच–बीच में चलाते रहें। इससे पानी भाप बनकर उड़ जाएगा और ग्रेवी का स्वाद बदले बिना अपने आप गाढ़ी हो जाएगी।

कॉर्नफ्लोर या अरारोट का करें इस्तेमाल

चाइनीज स्टाइल ग्रेवी, मंचूरियन, चिली डिश के लिए यह सबसे अच्छा ऑप्शन है। इसके लिए आप एक चम्मच कॉर्नफ्लोर में दो बड़े चम्मच पानी मिलाएं। इसे हिलाते हुए धीरे–धीरे डालें। करीबन 1–2 मिनट तक पकाएं। ध्यान दें कि इसे ज्यादा इस्तेमाल न करें वरना ग्रेवी चिपचिपी हो जाएगी।

प्याज–टमाटर का पेस्ट डालें

इंडियन करी के लिए प्याज–टमाटर का पेस्ट एकदम सही है। इसके लिए आप एक्स्ट्रा प्याज–टमाटर पेस्ट को तेल में भूनें। तेल अलग होने तक पकाएं और फिर ग्रेवी में मिलाएं। इससे ना केवल गाढ़ापन आता है, बल्कि स्वाद भी बढ़ता है।

काजू, बादाम या मूंगफली का पेस्ट इस्तेमाल करें

अगर आप घर पर पनीर, कोरमा, शाही डिश बना रही हैं तो उसकी रिच ग्रेवी के लिए यह एक बढ़िया ऑप्शन है। इसके लिए आप मेवे भिगोएं और चिकना पेस्ट बना लें। ग्रेवी में 1–2 बड़े चम्मच डालें और अच्छी तरह धीमी आंच पर पकाएं। यह ग्रेवी को गाढ़ा, क्रीमी और रेस्टोरेंट जैसा बनाता है।

संक्षिप्त

Mercedes-Benz India की 2026 में हर तिमाही में कीमतों में वृद्धि करने की योजना

मर्सिडीज–बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने मंगलवार को कहा कि कंपनी यूरो के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए अगले कैलेंडर वर्ष में हर तिमाही में अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। कंपनी पहले ही एक जनवरी 2026 से अपने वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की वृद्धि करने की योजना की घोषणा कर चुकी है। मूल्य समायोजन मौजूदा विदेशी मुद्रा चुनौतियों को दर्शाता है क्योंकि यूरो–रुपये की विनिमय दर 2025 में लगातार 100 रुपये के निशान से ऊपर बनी हुई है जो ऐतिहासिक औसत से काफी अधिक है। अय्यर ने यहां 'फिक्की मर्सिडीज–बेंज भारत इनोवेशन बिजनेस आइडिया चौलेंज प्रोग्राम' की शुरुआत के मौके पर 'पीटीआई–भाषा' के साथ बातचीत में कहा, '' हम अगले साल हर तिमाही में कीमतों में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रहे हैं और इसका कारण यूरो के मुकाबले रुपये में गिरावट है।'' उन्होंने बताया कि करीब 18 महीने पहले विनिमय मूल्य 89 रुपये प्रति यूरो था और अब यह लगभग 104–105 रुपये है। अय्यर ने कहा, '' यह 15–18 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है।'' कंपनी ने हालांकि जनवरी से कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा पहले ही कर दी है, लेकिन अय्यर ने कहा कि '' भारी मूल्यह्रास की भरपाई के लिए '' बाद में और भी बढ़ोतरी की जाएगी। अय्यर ने कहा कि रुपये में गिरावट और मूल्य वृद्धि के प्रभाव में 10–15 प्रतिशत से अधिक का अंतर है। उन्होंने कहा, '' इसलिए हम मूल्य वृद्धि को धीरे–धीरे लागू कर रहे हैं, अन्यथा मांग भी प्रभावित हो सकती है।'' अय्यर ने कहा कि हालांकि कंपनी ने 2026 की प्रत्येक तिमाही में अपेक्षित मूल्य वृद्धि की मात्रा को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया है लेकिन यह प्रत्येक तिमाही में करीब दो प्रतिशत हो सकती है।

न्यूजीलैंड FTA के तहत भारतीय वस्तुओं के जीआई पंजीकरण के लिए कानून में संशोधन करेगा

न्यूजीलैंड ने भारत के साथ अपने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत एक बाध्यकारी प्रतिबद्धता जताई है। इसके तहत वह समझौते के लागू होने के 18 महीनों के भीतर अपने कानून में संशोधन करेगा ताकि वहां वाइन और स्पिरिट के अलावा भारतीय वस्तुओं के भौगोलिक संकेतक (जीआई) पंजीकरण को सुगम बनाया जा सके। न्यूजीलैंड का वर्तमान जीआई कानून केवल भारत की वाइन और स्पिरिट के पंजीकरण की अनुमति देता है। जीआई, एक प्रकार का बौद्धिक संपदा अधिकार है। यह मुख्य रूप से एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न कृषि, प्राकृतिक या विनिर्मित उत्पाद (हस्तशिल्प और औद्योगिक वस्तुएं) को दर्शाता है। आमतौर पर, जीआई दर्जे वाला उत्पाद गुणवत्ता और विशिष्टता को दर्शाता है, जो मूल रूप से इसके उत्पत्ति स्थान से संबंधित होता है। एक बार किसी उत्पाद को जीआई का दर्जा मिल जाने के बाद, कोई भी व्यक्ति या कंपनी उस नाम से समान वस्तु नहीं बेच सकती। इसके अन्य लाभों में उस वस्तु को कानूनी संरक्षण, दूसरों द्वारा अनधिकृत उपयोग की रोकथाम और निर्यात को बढ़ावा देना शामिल है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत की वाइन, स्पिरिट और 'अन्य वस्तुओं' के पंजीकरण को सुगम बनाने के लिए कानून में संशोधन सहित सभी आवश्यक कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई गई है। यह लाभ न्यूजीलैंड ने यूरोपीय संघ (ईयू) को दिया है। मंत्रालय ने कहा, "समझौते के लागू होने के 18 महीने के भीतर यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।" दोनों देशों ने सोमवार को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता के समापन की घोषणा की। समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद इसे लागू किए जाने की संभावना है और इस प्रक्रिया में लगभग सात से आठ महीने लग सकते हैं। जीआई दर्जे वाली चर्चित वस्तुओं में बासमती चावल, दार्जिलिंग चाय, चंदेरी कपड़ा, मैसूर रेशम, कुल्लू शॉल, कांगड़ा चाय, तंजावुर पेंटिंग्स, इलाहाबाद सुरखा, फर्रुखाबाद प्रिंट्स, लखनऊ जरदोजी और कश्मीर अखरोट की लकड़ी की नक्काशी शामिल हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा होगी और भी पुख्ता, साइबर सुरक्षा के लिए टेक महिंद्रा से मिलाया हाथ

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) और आईटी सेवा कंपनी टेक महिंद्रा ने हवाई अड्डे के लिए एकीकृत नेटवर्क एवं सुरक्षा संचालन केंद्र (एनओसी–एसओसी) की स्थापना और संचालन के लिए साझेदारी की मंगलवार को घोषणा की। टेक महिंद्रा, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) के साथ मिलकर एक मजबूत एवं प्रक्रियाधारित परिवेश स्थापित करेगी। इसमें हवाई अड्डे के संचालन के केंद्र में साइबर सुरक्षा को रखा जाएगा ताकि शुरुआत से ही भरोसेमंद, सुरक्षित एवं विस्तार योग्य प्रौद्योगिकी आधारित ढांचा सुनिश्चित किया जा सके। संयुक्त बयान के अनुसार, इस साझेदारी के तहत टेक महिंद्रा हवाई अड्डे के महत्वपूर्ण आईटी बुनियादी ढांचे के लिए नेटवर्क और सुरक्षा संचालन की चौबीसों घंटे निगरानी एवं प्रबंधन करेगी। इसमें एप्लिकेशन, डेटाबेस, नेटवर्क, सर्वर, स्टोरेज सिस्टम और संबंधित डिजिटल मंच की निगरानी शामिल होगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्रिस्टोफ श्नेलमान ने कहा, ''एक नए हवाई अड्डे के तौर पर हमारे पास पहले दिन से ही अपने डिजिटल परिवेश में मजबूती, सुरक्षा तथा परिचालन उत्कृष्टता को समाहित करने का एक विशिष्ट अवसर है। टेक महिंद्रा के साथ हमारी साझेदारी एक मजबूत, भविष्य के लिए तैयार नेटवर्क एवं साइबर सुरक्षा ढांचा तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम है, जो सुरक्षित, भरोसेमंद और निर्बाध हवाई अड्डा संचालन को समर्थन देगा।'' नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत जेवर में बनाया जा रहा है। इसका निर्माण यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। हवाई अड्डे के पहले चरण में करीब 1,300 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है जिसमें एक रनवे तथा एक टर्मिनल भवन बनाया जा रहा है।

किशन के कमबैक की कहानी:

दिसंबर...जहां सब छूटा, वहीं से शुरुआत; संघर्ष से सफलता तक ऐसा रहा ईशान का शानदार सफर

नई दिल्ली। क्रिकेट में कुछ कहानियां सिर्फ आंकड़ों की नहीं होतीं, वे जज्बे, धैर्य और खुद पर भरोसे की मिसाल बन जाती हैं। ईशान किशन की भारतीय टीम में वापसी ऐसी ही एक कहानी है। दिसंबर 2023 में टीम से बाहर हुए ईशान, ठीक दो साल बाद दिसंबर 2025 में एक बार फिर टीम इंडिया की टी20 स्क्वॉड में नजर आए, जैसे वक्त ने पूरा चक्र पूरा कर लिया हो। दिसंबर 2023 में ईशान किशन ने निजी कारणों का हवाला देते हुए चयनकर्ताओं से ब्रेक मांगा। इसके बाद उन्हें केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया। यह फैसला इसलिए चौंकाने वाला था क्योंकि एक साल पहले ही उन्होंने वनडे क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा था और ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में वह भारत के प्रमुख विकेटकीपर–बल्लेबाज थे। इसके बाद दो साल तक ईशान राष्ट्रीय टीम की योजनाओं से बाहर नजर आए। दिसंबर 2025 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के दम पर ईशान किशन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने झारखंड को उसका पहला एसएमएटी खिताब दिलाया, टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाए और करीब 197 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। यही प्रदर्शन उन्हें 2026 टी20 वर्ल्ड कप की भारतीय टीम तक ले गया।

जगी परिपक्वता, बदली सोच

पूर्व झारखंड बल्लेबाज ईशांक जग्गी, जो किशन को 16 साल की उम्र से जानते हैं, मानते हैं कि ईशान अब ज्यादा परिपक्व खिलाड़ी बन चुके हैं। ईएसपीएनक्रिकइनफो ने जग्गी के हवाले से लिखा, श्अब ईशान अपने खेल और जिंदगी दोनों को बेहतर समझते हैं। उनमें पहले की तुलना में ज्यादा स्थिरता और स्पष्टता है।श उन्होंने यह भी कहा कि असफलताओं से डरने के बजाय ईशान ने उन्हें चुनौती की तरह लिया।

घरेलू क्रिकेट बना सहारा

टीम से बाहर रहने के दौरान ईशान ने घरेलू क्रिकेट में खुद को दोबारा खड़ा किया। कड़ी मेहनत और खुद की फिटनेस पर ध्यान देते हुए लगातार प्रैक्टिस जारी रखी। इसके बाद दलीप ट्रॉफी में शतक, रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में निरंतर रन, यह सब उनकी वापसी की नींव बना। आईपीएल 2025 में भी उनका प्रदर्शन संतुलित रहा।

ईशान एक एलीट खिलाड़ी

ईशांक जग्गी ने कहा, श्मानसिक रूप से ईशान एक एलीट खिलाड़ी हैं। उनके साथ अतीत में कुछ चीजें हुई हैं। आप इसे बदकिस्मती कह सकते हैं, दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं कह सकते हैं या बचपना भी कह सकते हैं, लेकिन अंततः इन सब से उबरकर प्रदर्शन करना हर किसी के बस की बात नहीं होती। इन घटनाओं के बाद जिस तरह उन्होंने खुद को फिर से उठाया, उसका पूरा श्रेय उन्हें ही जाता है।

ईशान के अंदर स्पष्टता

जग्गी ने बताया, कई बार क्या होता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर हम अपने खेल के किसी एक पहलू को सुधारने में लग जाते हैं और अपनी कुछ ताकतों को नजरअंदाज कर देते हैं। पिछले साल रणजी ट्रॉफी के दौरान मैचों के बीच एक ब्रेक था और तभी वह मेरे पास आए और बोले– भैया, मैं अपनी बल्लेबाजी पर काम करना चाहता हूं। मैं उन्हें 16 साल से जानता हूं और उनकी ताकतों और कमजोरियों को बहुत करीब से देखा है। मुझे पता है कि वह कैसे खेलते हैं और किसमें अच्छे हैं। उन्हें यह बिल्कुल साफ था कि किन क्षेत्रों में उन्हें सुधार करना है और किन फॉर्मेट्स को वह टारगेट कर रहे हैं। जब किसी खिलाड़ी में इतनी स्पष्टता होती है, तो उसे गाइड करना आसान हो जाता है। इसके बाद ईशान किशन ने जल्द ही अपनी लय पकड़ ली और घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाने लगे। एक साल से ज्यादा समय बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वापसी करते हुए उन्होंने पिछले घरेलू सत्र में दलीप ट्रॉफी के एक मैच में इंडिया सी के लिए 111 रन की शानदार पारी खेली। जग्गी ने कहा, श्मैंने कुछ भी अलग या असामान्य नहीं किया। उसके अंदर हमेशा एक एलीट स्तर के खिलाड़ी वाली सोच रही है। बस कुछ बहुत छोटे–छोटे बदलावों की जरूरत थी। कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया।

कप्तान के रूप में भी छाप

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ईशान की कप्तानी भी चर्चा में रही। आक्रामक फैसले, खिलाड़ियों पर भरोसा और निडर क्रिकेट, उनकी सोच का असर पूरी झारखंड टीम पर दिखा। साथी खिलाड़ियों के मुताबिक, ईशान मैदान पर खिलाड़ियों को खुलकर खेलने की आजादी देते हैं और मुश्किल हालात में भी उनका साथ नहीं छोड़ते।

गेंदबाजों का साथ देते हैं ईशान

झारखंड के तेज गेंदबाज सुशांत मिश्रा, जो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 11 मैचों में 22 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, उन्होंने विराट कोहली की बातों को दोहराया। सुशांत ने ईएसपीएन क्रिकइनफो को बताया, ईशान भैया कप्तान के तौर पर शानदार हैं। सबसे अहम बात यह है कि वह हर खिलाड़ी का पूरा साथ देते हैं और मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह खिलाड़ियों को पूरी स्वतंत्रता देते हैं।

पैट कमिंस के बिना ही जारी रहेगा ऑस्ट्रेलिया का एशेज अभियान, टी20 विश्व कप को लेकर भी अनिश्चितता

ऑस्ट्रेलिया का एशेज अभियान कप्तान पैट कमिंस के बिना ही जारी रहेगा, जो पीठ की चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। चयनकर्ता और चिकित्सा स्टाफ सावधानी बरत रहे हैं, और फरवरी में होने वाले टी20 विश्व कप में उनकी उपलब्धता को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। मंगलवार सुबह, जैसा कि कमिंस ने एडिलेड के बाद संकेत दिया था, यह पुष्टि हो गई कि वह इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में नहीं खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कुछ घंटों बाद कहा कि कमिंस का सीरीज में एक ही मैच खेलने का सफर खत्म हो गया है। मैकडॉनल्ड ने ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम की घोषणा से पहले यह भी कहा कि कमिंस की स्थिति का आकलन करने के लिए उनका स्कैन किया जाएगा, और फिलहाल उनकी भागीदारी श्काफी अनिश्चितश है। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, मैकडॉनल्ड ने कहा, उनकी चोट ठीक है। वह सीरीज के बाकी

मैचों में नहीं खेलेंगे, और उनकी वापसी को लेकर हमने काफी समय पहले इस पर चर्चा की थी।

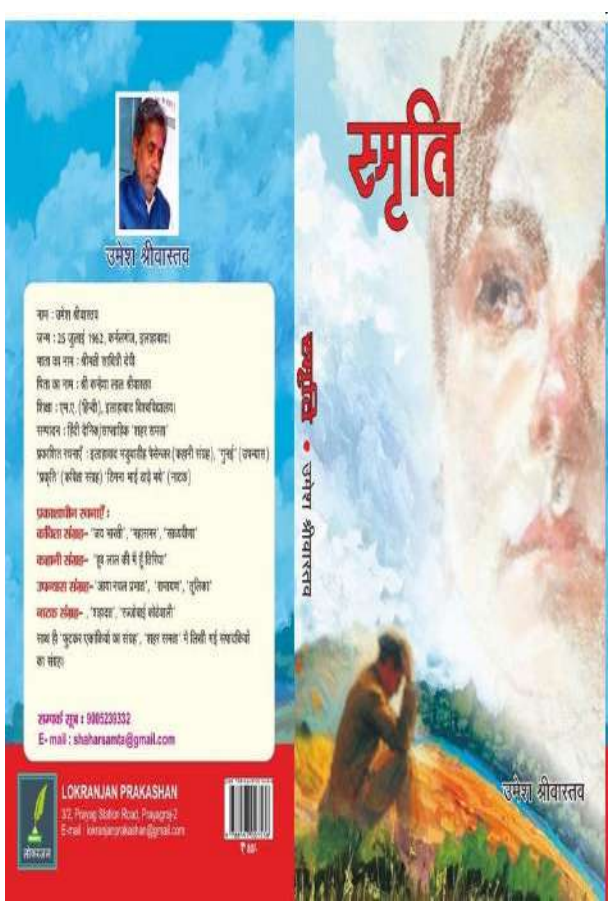

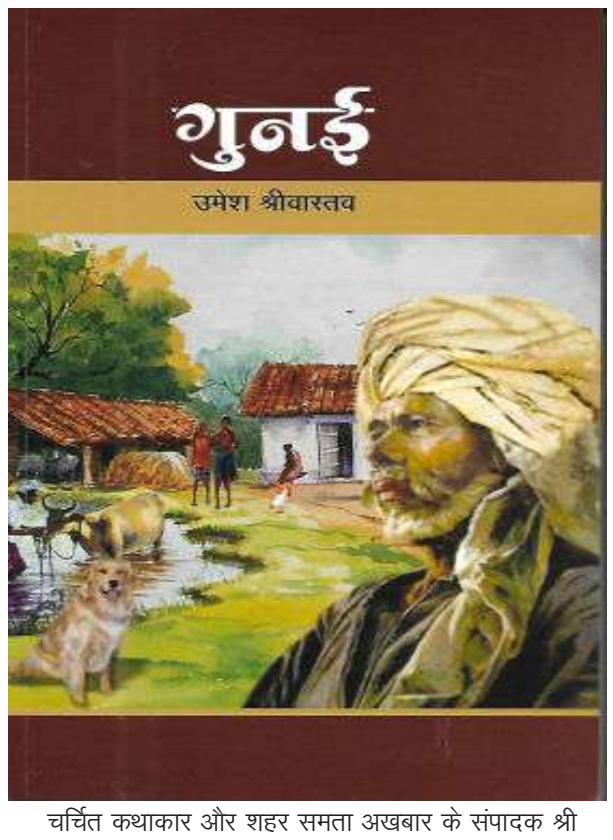

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

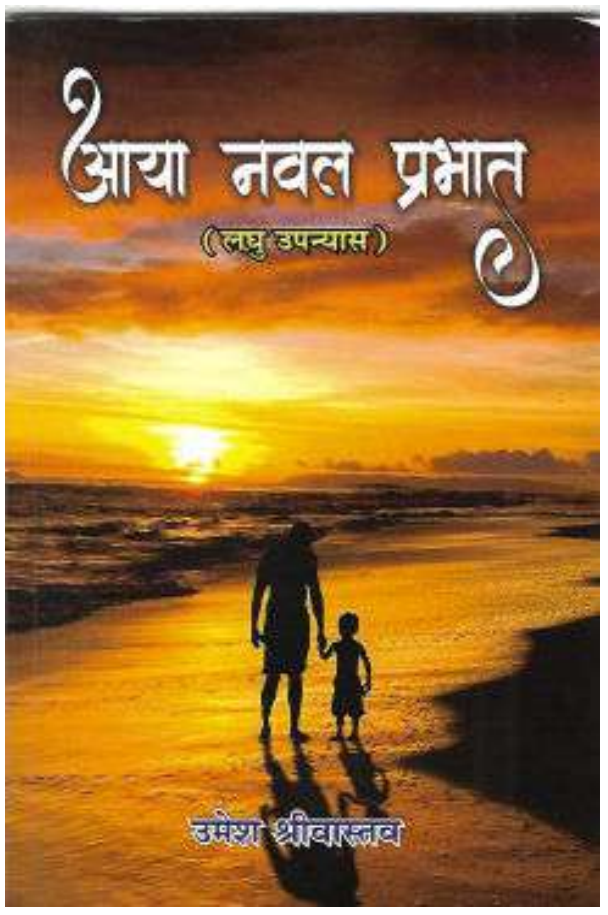

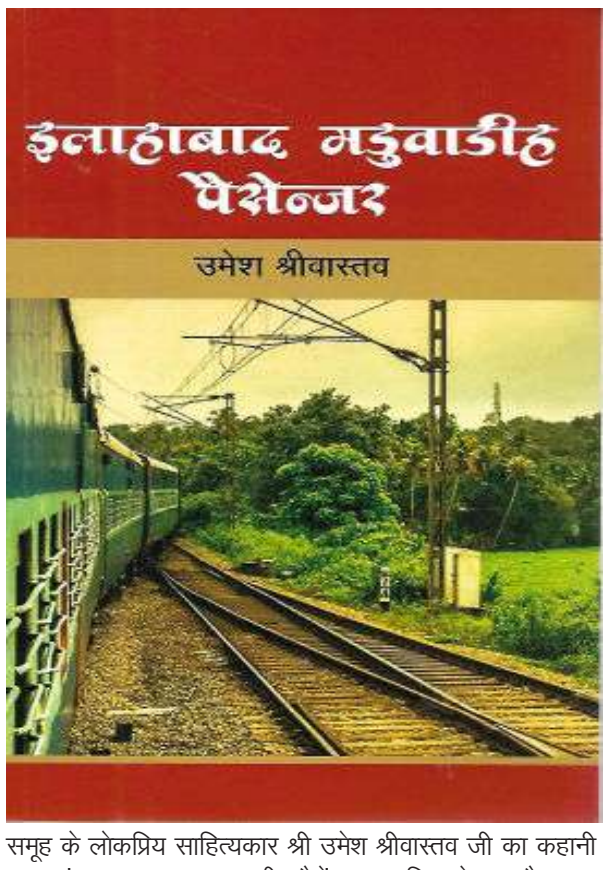

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

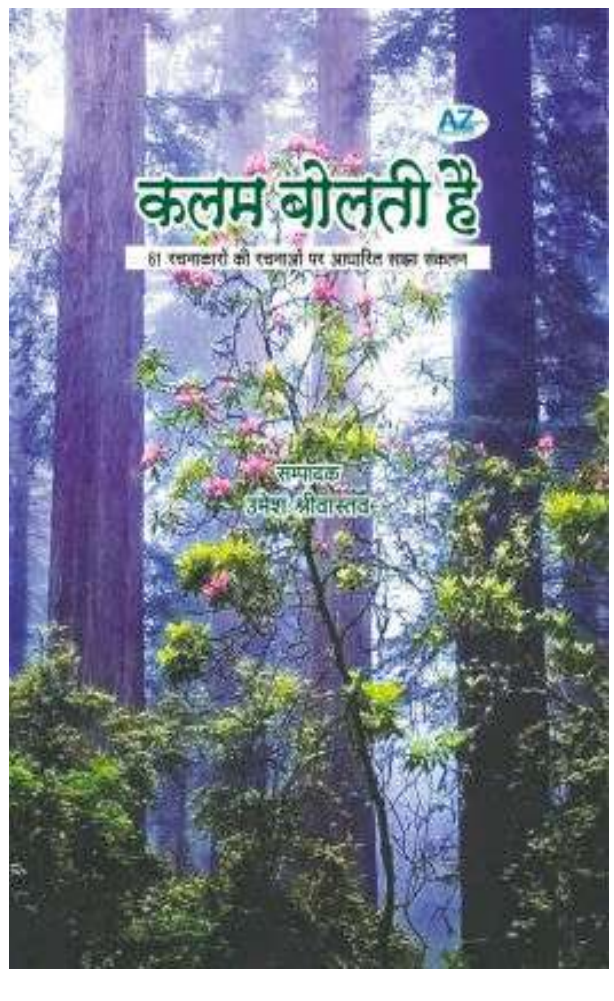

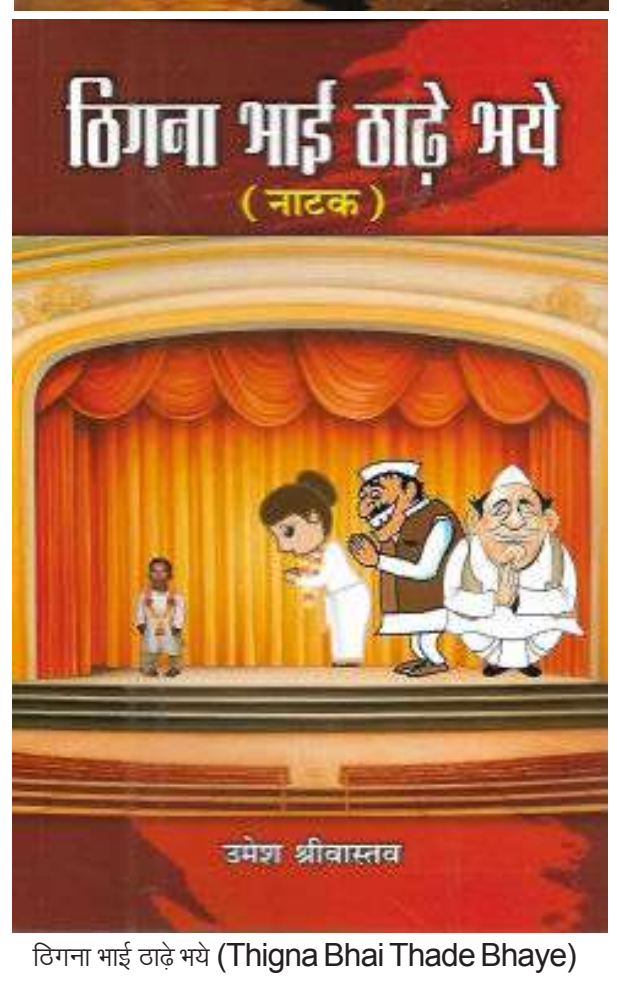

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

भारत–बांग्लादेश बवाल में कूदा रूस, भड़कते हुए कट्टरपंथियों पर कर दिया बड़ा ऐलान

जब पूरी दुनिया ने भारत से मुंह मोड़ लिया था तब एक देश था जो भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा था रूस वो भी साल 1971 में। भारत रूस की यह दोस्ती कोई आज की नहीं यह दोस्ती युद्ध के मैदान से लेकर कूटनीति तक हर मुश्किल वक्त में परखी गई है और आज जब भारत और बांग्लादेश के रिश्ते अपने सबसे नाजुक दौर से गुजर रहे हैं तब एक बार फिर रूस ने एंट्री लेकर पूरी बाजी पलट दी है। बांग्लादेश में लगातार बढ़ती हिंसा भारत विरोधी नारे और कट्टरपंथी संगठनों की खुली गुंडागर्दी के बीच अब रूस की तरफ से बड़ा बयान सामने आया है। बांग्लादेश में रूस के राजदूत एलेक्जेंडर ग्रेगो रिविजच खोजन ने सीधे तौर पर ढाका को संदेश दिया कि भारत के साथ तनाव कम करो रिश्ते बिगड़ने मत दो जितनी जल्दी हो उतना बेहतर होगा और यह बयान ऐसे वक्त पर आया जब यूनुस सरकार पहले से ही दबाव में है। उन्होंने कहा भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव मौजूदा स्तर से आगे नहीं बढ़ना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर बताया कि रूस दोनों देशों के आंतरिक मामलों में दखल नहीं दे रहा। लेकिन एक दोस्त होने के नाते इतना कहना जरूरी है कि समाधान बातचीत से निकालना चाहिए ना कि टकराव से। रूस ने सिर्फ बयान नहीं दिया बल्कि इतिहास भी याद दिलाया। रूसी राजदूत ने आगे कहा कि 1971 में बांग्लादेश की आजादी में भारत की भूमिका सबसे बड़ी थी। रूस भी उस वक्त भारत के साथ खड़ा था। पिछले सप्ताह प्रदर्शनकारियों में से कुछ ने भारत के खिलाफ भी अपना गुस्सा जाहिर किया। ताजा प्रदर्शनों के बीच, बांग्लादेश के मयमनसिंह में एक हिंदू व्यक्ति, दीपू चंद्र दास की हत्या कर दी गई। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने चटगांव में भारत के सहायक उच्चायोग पर धावा बोलने की कोशिश की। इसके बाद भारत ने इस मिशन में अपनी वीजा सेवाएं निलंबित कर दीं। भारत ने बांग्लादेश के राजनयिक रियाज हामिदुल्लाह को तलब किया और ढाका में भारतीय मिशन के आसपास असुरक्षा का माहौल पैदा करने की योजना बना रहे कुछ चरमपंथी तत्वों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की थी। 1971 का गवाह है। कट्टरपंथ को खुलकर सपोर्ट नहीं करता। यानी रूस का यह बयान यूनुस सरकार के लिए डिप्लोमेटिक चेतावनी है। अब बांग्लादेश में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। उस्मान हादी की मौत, सड़क पर आगजनी, भारत विरोधी नारे और सरकार को खुले अल्टीमेटम। इससे साफ है कि बांग्लादेश धीरे–धीरे अराजकता की ओर आगे बढ़ा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यूनुस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, हिंसा यूनुस सरकार की वजह से हुई है। कट्टरपंथियों को खुली छूट दी गई। अल्पसंख्यकों को टारगेट किया जा रहा।

संक्षिप्त

3500 जवान करेंगे हमास पर हमला? गाजा पर पाकिस्तान का खतरनाक प्लान

पाकिस्तान का दोहरा चेहरा एक बार फिर से सामने आ गया है। वो पाकिस्तान जो खुद को गाज़ा का रहनुमा बताता है। उसने फिर से मुस्लिम ब्रदरहुड को धोखा दे दिया है। दरअसल गाज़ा में इजरायली तबाही के बाद स्थिरता बहाल करने के लिए अमेरिका की अगुवाई में एक इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स बनाने की योजना चल रही है। अमेरिका के इशारे पर पाकिस्तान भी इस योजना के तहत गाज़ा में सैनिक भेजना चाह रहा है। कुछ दिनों पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने खुलासा किया था कि पाकिस्तान ने इस प्रस्तावित फोर्स का हिस्सा बनने की

पेशकश की है। फिलहाल कुछ तय नहीं है कि कब तक में और कितने सैनिक भेजने हैं। लेकिन पाकिस्तान अपनी ओर से 3500 सैनिक गाज़ा भेजना चाहता है। वैसे तो पाकिस्तान फिलिस्तीन देश बनाने का बहुत बड़ा हिमायती रहा है और हमास के नेताओं के मारे जाने पर पाकिस्तान ने कई बार इजराइल की आलोचना भी की है। पाकिस्तानी लोगों की भावना भी फिलिस्तीन के समर्थन में रहती है। जिन्हें कई मौकों पर देखा गया है कि वो हमास का भी खुलेआम समर्थन करते हैं। और अब पाकिस्तान की फौज भेजने की बात से यह सारी जनता सेना और सरकार के ऊपर भड़क सकती है। पाकिस्तान के भीतर मौजूद कट्टरता को देखते हुए इस जनता का भारी विरोध हिंसक भी हो सकता है। पाकिस्तान ने इजराइल को एक देश के रूप में कभी मान्यता नहीं दी है और पाकिस्तान ने ऑफिशियली हमास को भी कभी आतंकवादी संगठन नहीं माना है। वहां की सरकारों ने पारंपरिक तौर से फिलिस्तीन का समर्थन किया है। लेकिन अब मुनीर के इशारे से चल रही शबाज शरीफ की सरकार का यह आलम है कि वह उसी हमास के खिलाफ जब इजराइल और अमेरिका मिलकर नई फोर्स बनाने का प्रस्ताव रखते हैं तो पाकिस्तान उसका हिस्सा बनना चाहता है।

जेएफ–17 को लेकर 4 बिलियन डॉलर की सौदेबाजी, लीबिया और पाकिस्तान में बहुत बड़ी डील!

पाकिस्तान ने लीबिया की पूर्वी शाखा स्थित लीबियाई राष्ट्रीय सेना (एलएएनए) के साथ 4 अरब डॉलर से अधिक का रक्षा सौदा किया है। यह समझौता एलएनए को सैन्य उपकरण बेचने से संबंधित है, जबकि लीबिया अभी भी संयुक्त राष्ट्र के हथियार प्रतिबंध के अधीन है। इस सौदे को पाकिस्तान द्वारा अब तक की सबसे बड़ी हथियार बिक्री में से एक बताया जा रहा है। पाकिस्तान ने लीबियाई सेना के साथ अरबों डॉलर का हथियार सौदा किया। रॉयटर्स के अनुसार, यह समझौता पिछले सप्ताह पूर्वी लीबिया के शहर बेंगाज़ी में हुई एक बैठक के बाद अंतिम रूप दिया गया। पाकिस्तान के सेना प्रमुख, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने लीबियाई सेना के उप कमांडर–इन–चीफ सद्दाम खलीफा हफ़्तार से मुलाकात की। इस सौदे के बारे में बात करने वाले सभी पाकिस्तानी अधिकारी रक्षा मामलों से जुड़े हैं और सौदे की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर बात की। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और सेना ने अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार समझौते में कई मदों का उल्लेख था। इनमें 16 जेएफ–17 लड़ाकू जेट और 12 सुपर मुशक प्रशिक्षण विमान शामिल हैं। जेएफ–17 एक बहु–भूमिका लड़ाकू जेट है जिसे चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। सुपर मुशक का उपयोग नए पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए किया जाता है। अधिकारी के अनुसार, यह समझौता थल, नौसेना और वायु सेना के उपकरणों को कवर करता है और लगभग ढाई साल में पूरा किया जाएगा। दो अधिकारियों ने बताया कि यह सौदा 4 अरब डॉलर से अधिक का है, जबकि अन्य दो ने इसका मूल्य 4.6 अरब डॉलर के करीब बताया। लीबिया समझौता पाकिस्तान को उत्तरी अफ्रीका में अपनी उपस्थिति बढ़ाने में मदद करेगा, एक ऐसा क्षेत्र जहां वैश्विक और क्षेत्रीय शक्तियां प्रभाव के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

पाकिस्तान के पंजाब बाढ़ प्रभावित परिवारों के राहत में देरी, मानवाधिकार आयोग ने जताई चिंता

पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने पंजाब सरकार से दक्षिणी पंजाब में मानसून की भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की जरूरतों पर ध्यान देने का आग्रह किया है। इनमें से कई परिवार सर्दियों के मौसम के करीब आने के साथ ही उचित सहायता के अभाव में अपने घरों के पुनर्निर्माण में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। डॉन के मुताबिक, एचआरसीपी द्वारा नवंबर की शुरुआत में दक्षिणी पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किए गए एक सर्वेक्षण में मुल्तान के बस्ती लांग और बस्ती शेर शाह तथा उच शरीफ के बस्ती जाट खुरपा में परिवारों की चिंताओं को दर्ज किया गया। बस्ती लांग के निवासियों ने बताया कि बाढ़ से लगभग 300 घर नष्ट हो गए। उन्होंने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि नुकसान का आकलन करने के लिए सरकारी सर्वेक्षण या तो नहीं किए गए या स्थगित कर दिए गए, जिसके परिणामस्वरूप प्रभावित परिवारों को अपर्याप्त मुआवजा मिला। एक उत्तरदाता ने सरकार द्वारा प्रति एकड़ 20,000 पाकिस्तानी मुद्रा (पीकेआर) के मुआवजे की दर की आलोचना करते हुए इसे जले पर नमक छिड़कने जैसा बताया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

बांग्लादेश में उथल–पुथल के बीच आईएसआई ने बनाई खतरनाक योजना!

भारत में लाखों लोगों को धकेलने की तैयारी

बांग्लादेश में हालिया उथल पुथल के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने सीमा पर बहुत हाई जारी किया है। हम आपको बता दें कि इस बार आशंका केवल अवैध घुसपैठ की नहीं है, बल्कि उस संगठित साजिश की है जिसमें सीमा को भीड़ से पाट कर व्यवस्था को पंगु करने की तैयारी चल रही है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश में अराजकता के माहौल का फायदा उठाकर आईएसआई समर्थित गिरोह भारत में लाखों लोगों को धकेलने की योजना पर काम कर रहे हैं। मकसद है अव्यवस्था फैलाना और पर्दे की आड़ में आतंकी तत्वों की घुसपैठ कराना। मीडिया रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यह दबाव खास तौर पर पश्चिम बंगाल के चुनावों के आसपास तेज किया जाएगा। राज्य विधानसभा चुनावों में मुकाबला कड़ा होने की उम्मीद है और हिंसा की आशंका को देखते हुए सुरक्षा बल पहले से सतर्क हैं। बताया जा रहा है कि आईएसआई की योजना यह है कि भीड़ के बीच प्रशिक्षित आतंकी भी सरका दिए जाएं, ताकि पहचान और रोकथाम कठिन हो जाए। खुफिया तंत्र का कहना है कि बांग्लादेश में हालिया सत्ता परिवर्तन के बाद आईएसआई का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। इसी दौरान दर्जनों आतंकियों को भारत भेजने के इरादे से प्रशिक्षित किया गया। असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के नदी किनारे के रास्ते, कम दृश्यता वाले रास्ते और घने वन क्षेत्र इस साजिश के लिए चुने गए हैं। यही वे इलाके हैं जहां निगरानी चुनौतीपूर्ण होती है और भीड़ की आड़ में घुसपैठ आसान होती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि योजना दोहरी है। एक तरफ बांग्लादेशी और रोहिंग्या आबादी को सीमा पार भेज कर जनसांख्यिक दबाव बनाने की तैयारी है तो, दूसरी तरफ प्रशिक्षित आतंकी अलग जत्थों में घुसेंगे। खुफिया जानकारी के अनुसार, इन लोगों को आर्थिक तंगी का लालच देकर चुना जाता है, फिर उन्हें विशेष शिविरों में रखा जाता है। इन शिविरों को दो हिस्सों में बांटा गया है। एक हिस्से के लोग केवल बसावट और दबाव के लिए होते हैं जबकि दूसरे हिस्से के लोग हिंसक गतिविधियों के लिए तैयार किए जाते हैं। बताया जा रहा है कि यह साजिश केवल सीमावर्ती राज्यों तक सीमित नहीं है। एक बार घुसपैठ सफल होने पर इन तत्वों को जम्मू–कश्मीर, दक्षिणी राज्यों और महाराष्ट्र जैसे इलाकों में फैलाने की योजना है। यानी लक्ष्य पूरे देश की आंतरिक सुरक्षा है। देखा जाये तो 1971 में पराजय के बाद पाकिस्तान ने समझ लिया था कि सीधी जंग से कुछ हासिल नहीं होगा। तब से छद्म युद्ध की यह राह चुनी गई थी जोकि आज तक जारी है। 1973 में भारतीय खुफिया एजेंसियों को पता चला था कि जमात ए इस्लामी और आईएसआई ने मिलकर भारत में अवैध घुसपैठ के जरिये जनसांख्यिक बदलाव का खाका बनाया था। मकसद था बहुसंख्यक समाज में असुरक्षा पैदा करना और फिर साम्प्रदायिक टकराव भड़काना। उस समय यह योजना पूरी तरह सफल नहीं हो सकी क्योंकि बांग्लादेश में भारत मित्र सरकारें थीं। आज हालात बदले हैं। सत्ता परिवर्तन के बाद आईएसआई समर्थित जमात का प्रभाव बढ़ा है और यही उन्हें खुला मैदान देता है। देखा जाये तो भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के सामने चुनौती बहुस्तरीय है। सरकार को सीमा प्रबंधन में तकनीक, बल और खुफिया तंत्र का और निर्भीक तरीके से इस्तेमाल करना होगा। नदी किनारे और वन क्षेत्रों में विशेष निगरानी, त्वरित पहचान और कड़ी कार्रवाई जरूरी है। साथ ही देश के भीतर भी स्पष्ट संदेश जाना चाहिए कि अवैध घुसपैठ और आतंक के प्रति शून्य सहनशीलता है।

भारत में विरोध प्रदर्शन के बाद टेंशन में यूनुस सरकार, बांग्लादेश ने इंडियन हाईकमिश्नर को किया तलब

बांग्लादेश ने मंगलवार को भारत में अपने राजनयिक मिशनों पर हुए हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की और नई दिल्ली और सिलीगुड़ी में हुई घटनाओं के विरोध में भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, बांग्लादेश राजनयिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ जानबूझकर की गई हिंसा या धमकी के ऐसे कृत्यों की निंदा करता है, जो न केवल राजनयिक कर्मियों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं बल्कि आपसी सम्मान के सिद्धांतों और शांति एवं सहिष्णुता के मूल्यों को भी कमजोर करते हैं। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने हिंसा की निंदा करते हुए राजनयिक कर्मियों और प्रतिष्ठानों को खतरे का हवाला दिया और भारत से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बांग्लादेश सरकार ने भारत सरकार से इन घटनाओं की गहन जांच करने, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने और भारत में बांग्लादेश के राजनयिक मिशनों और संबंधित सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इन घटनाओं में 22 दिसंबर 2025 को सिलीगुड़ी स्थित बांग्लादेश वीजा केंद्र में तोड़फोड़ और 20 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन शामिल हैं। बांग्लादेश सरकार ने कहा कि वह भारत सरकार से राजनयिक कर्मियों और प्रतिष्ठानों की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय और राजनयिक दायित्वों के अनुरूप तत्काल उचित कदम उठाने की अपेक्षा करती है।

9 अमेरिकी सांसदों ने पीट हेगसेथ को लिखा लेटर, चीनी टेक कंपनियों को लेकर की ये मांग

नौ सांसदों के एक समूह ने युद्ध सचिव पीट हेगसेथ को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि कथित तौर पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की सेना का समर्थन करने के आरोप में विभाग द्वारा रखी गई सूची में कई चीनी तकनीकी कंपनियों को शामिल किया जाए। 18 दिसंबर को लिखे गए इस पत्र में उल्लेख किया गया है कि ये गैर–सैन्य तकनीकी कंपनियां पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के ष्आधुनिकीकरण, आंतरिक सुरक्षा पहलों और सैन्य प्रक्षेपण क्षमताओंष में सहायता कर रही हैं। 2021 में राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम ने रक्षा विभाग (अब युद्ध विभाग) द्वारा सभी चीनी सैन्य संस्थाओं की पहचान करने के लिए एक सूची बनाई थी, जिसका उद्देश्य अमेरिकी सरकार को सीसीपी के सैन्य, निगरानी और खुफिया कार्यों का अनजाने में समर्थन करने से रोकना था। सांसदों द्वारा प्रस्तावित कंपनियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी डीपसीक भी शामिल है, जिसके बारे में जेम्सटाउन फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीएलए और अन्य चीनी संगठनों के साथ करोड़ों युआन या लाखों अमेरिकी डॉलर के रक्षा अनुबंध हैं। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में कांग्रेस की नौ अलग–अलग समितियों के रिपब्लिकन अध्यक्ष शामिल हैं, जिनमें सीनेटर रिक स्कॉट (आर–फ्लोरिडा), प्रतिनिधि जॉन मूलनेर (आर–मिशिगन), रिक क्रॉफर्ड (आर–अर्कांसस), एंड्रयू गारबारिनो (आर–न्यूयॉर्क), रॉब विटमैन (आर–वर्जीनिया), बिल हुइज़ेंगा (आर–मिशिगन), डस्टी जॉनसन (आर–साउथ डकोटा), डारिन लाहुड (आर–इलिनोइस) और एंडी ओगल्स (आर–टेनेसी) शामिल हैं, जैसा कि टीईटी रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पीएलए की एक खरीद वेबसाइट पर अप्रैल से अक्टूबर 2025 तक कई खरीद दस्तावेज़ सूचीबद्ध हैं।

अमेरिकी नौसेना के लिए बनेगा नया युद्धपोत, ट्रंप ने गोल्डन फ्लीट योजना का किया ऐलान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नौसेना में नए ट्रम्प–क्लास युद्धपोतों को बनाने का ऐलान किया है। दुनिया के अब तक के सबसे बड़े युद्धपोत घोषित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका कुल 20 से 25 ऐसे जहाज बनाएगा, जो मौजूदा अमेरिकी युद्धपोतों की तुलना में 100 गुणा अधिक ताकतवर होंगे। ट्रम्प के आलीशान मार–ए–लागो एस्टेट में आयोजित कार्यक्रम में प्रदर्शित एक पोस्टर में यूएसएस डिफिएंट नामक एक आकर्षक दिखने

वाले युद्धपोत का कलाकार द्वारा बनाया गया चित्र भी नजर आया। फ्लीट पानी को चीरता हुआ आगे बढ़ रहा था, उसके डेक से लेजर बीम निकल रही थी और उसके बैकग्राउंड में धुआं निकल रहा होता है। जहाज के बगल में ट्रंप की एक तस्वीर थी जिसमें वह 2024 की उनकी बहुचर्चित जानलेना हमले के बाद हाथ हवा में लहराते नजर आए थे। एक अन्य पोस्टर में स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के पास से गुजरते हुए जहाज को दर्शाया गया है। ट्रंप ने अपनी इस योजना का ऐलान करते हुए कहा कि हम यूनाइटेड स्टेट्स नेवी के लिए निर्माण कर रहे हैं। हमें जहाजों की सख्त जरूरत थी क्योंकि हमारे कई जहाज पुराने, थके हुए और अप्रचलित हो चुके हैं। नौसेना ने 19 दिसंबर को घोषणा की कि वह लीजेंड–क्लास कटर पर आधारित एक नए फ्रिगेट का भी निर्माण कर रही है, ताकि वह अपने सतही युद्धपोत बेड़े को मजबूत कर सके। एफएफ (एक्स) नामक यह जहाज वर्जीनिया के न्यूपोर्ट न्यूज स्थित भ्प द्वारा बनाया जाएगा। ये नए जहाज ट्रंप की ष्गोल्डन फ्लीटष परियोजना का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य अमेरिकी जहाज निर्माण को पुनर्जीवित करना और छोटे जहाजों की कमी को दूर करना है। इसका लक्ष्य चीन से प्रतिस्पर्धा करना है, जहां वैश्विक जहाज निर्माण का लगभग 53: हिस्सा होता है। सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के हालिया आकलन के अनुसार, अमेरिका दुनिया के केवल 0.1: जहाजों का निर्माण करता है। अमेरिका ने 1940 के दशक से युद्धपोत नहीं बनाया है, बल्कि बड़े तोपों के बजाय विमानवाहक पोत, छोटे विध्वंसक पोत और लंबी दूरी की मिसाइलों से लैस अन्य जहाज बनाना पसंद किया है। ट्रंप ने कहा कि नौसेना दो युद्धपोतों से शुरुआत करेगी और 25 तक बनाने का लक्ष्य रखेगी। उत्पादन में अभी काफी समय लग सकता है। ट्रंप पहले ही खुद को एक अन्य नए हथियार सिस्टम थ–47 स्टेल्थ से जोड़ चुके हैं, जो उनके 47वें राष्ट्रपति होने की ओर इशारा करता है। इसके अलावा, उन्होंने नव–नामित डोनाल्ड जे ट्रंप और जॉन एफ कैनेडी मेमोरियल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स और डोनाल्ड जे ट्रंप इंस्टीट्यूट ऑफ पीस पर भी अपना नाम जोड़ा है। वहीं ये नए जहाज ट्रंप की "गोल्डन फ्लीट" योजना का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य अमेरिकी जहाज निर्माण उद्योग को पुनर्जीवित करना और छोटे जहाजों की कमी को दूर करना है, ताकि चीन से मुकाबला किया जा सके।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।